PRGI No. UPHIN/25/A1697

गरवी गुजरात

गरवी गुजरात

PUBLISHED HINDI DAILY FROM LUCKNOW

वर्ष : 02
अंक : 044
दि. 13.06.2026, शनिवार
पाना : 04
किंमत : 00.50 पैसा

14 जून को फ्रांस के नीस में भारत इनोवेट्स 2026 का संयुक्त रूप से उद्घाटन करेंगे पीएम मोदी व फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रॉ

ग्लोबल डीप टेक, नवाचार और स्टार्टअप पारितंत्र को बढ़ावा देने के लिए भारत-फ्रांस साझेदारी

(जीएनएस)।

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी, फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रॉ के साथ 14 जून 2026 को फ्रांस के नीस स्थित पैलेस डेस एक्सपोजिशन्स में भारत इनोवेट्स 2026 का संयुक्त रूप से उद्घाटन करेंगे।

भारत सरकार द्वारा आयोजित, भारत इनोवेट्स 2026 केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय की पहल है। इसमें 120 भारतीय नवोन्मेषक, 15 उच्च शिक्षा संस्थान और 500 से अधिक निवेशक भाग लेंगे, जिनमें प्रमुख कॉरपोरेट और वेंचर कैपिटल फर्म तथा वैश्विक मुख्य कार्यकारी अधिकारी और उद्योग जगत के दिग्गज शामिल होंगे। यह आयोजन एडवांस्ड कंप्यूटिंग, सेमीकंडक्टर, अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी, जैव प्रौद्योगिकी, ऊर्जा, स्वास्थ्य सेवा और विनिर्माण जैसे 13 प्रमुख क्षेत्रों में विस्तारित होगा, जो भारत के बढ़ते नवाचार और डीप टेक इकोसिस्टम को दशार्ता है।

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के साथ विदेश मंत्री डॉ. एस. जयशंकर और वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री श्री पीयूष गोयल के भी आयोजन में शामिल होने की संभावना है। भारत इनोवेट्स 2026 के लिए देश से 120 स्टार्टअप का चयन करने वाली तकनीकी निरीक्षण समिति के अध्यक्ष तथा भारत सरकार के प्रधान वैज्ञानिक सलाहकार श्री अजय कुमार सूद भी इसमें भाग लेंगे।

भारत इनोवेट्स 2026 का नीस में पहली बार आयोजन, वैश्विक निवेशकों और उद्योग जगत के सामने भारत के डीप टेक नवोन्मेषकों और स्टार्टअप्स को प्रदर्शित करेगा। यह आयोजन भारत और वैश्विक हितधारकों के बीच नवाचार-आधारित साझेदारी बढ़ाने का प्रभावशाली मंच होगा। इस आयोजन के दौरान कई महत्वपूर्ण घोषणाएं और परिणाम की आशा है, जिनमें डीप टेक, अनुसंधान एवं विकास, स्टार्टअप विस्तार और सीमा पार निवेश सुविधा में सहयोग ढांचे सुदृढ़ बनाना शामिल है।

यह आयोजन भारतीय और फ्रांसीसी नवाचार पारितंत्रों के बीच संस्थागत साझेदारी के नए अवसर भी खोलेगा, जिसमें सह-विकास, प्रौद्योगिकी आदान-प्रदान और उभरती प्रौद्योगिकियों के त्वरण पर विशेष रूप से ध्यान केंद्रित किया

जाएगा। भारत इनोवेट्स का उद्देश्य प्रतिभागी नवोन्मेषकों और संस्थानों को निवेशकों, निगमों, विश्वविद्यालयों, अनुसंधान संगठनों और सरकारी हितधारकों से जोड़ना है ताकि निवेश, प्रौद्योगिकी सत्यापन, सह-विकास के अवसर, अग्रिम परियोजनाएं, विनिर्माण साझेदारी, प्रौद्योगिकी हस्तांतरण और इन्हें अपनाने के मार्ग प्रशस्त किया जा सके तथा बाजार में पहुंच और भारतीय नवाचारों का अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर विस्तार सुनिश्चित हो सके।

भारत इनोवेट्स 2026 से वैश्विक नवाचार नेटवर्कों के साथ भारत की सहभागिता उल्लेखनीय रूप से बढ़ने और प्रौद्योगिकी-संचालित विकास तथा उद्यमिता के अग्रणी केंद्र के रूप में इसकी स्थिति सुदृढ़ होने की उम्मीद है। भारत-फ्रांस नवाचार वर्ष के तत्वावधान में इसका आयोजन किया जा रहा है, जिसका उद्घाटन प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी और फ्रांस के राष्ट्रपति ने संयुक्त रूप से फरवरी 2026 में मुंबई में किया था।

प्रधानमंत्री ने विभिन्न क्षेत्रों में महिलाओं के नेतृत्व वाले विकास को बढ़ावा देने के लिए सरकार के प्रयासों पर बल दिया

(जीएनएस)।

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने आज कहा कि पिछले 12 वर्षों में सरकार का महिला नेतृत्व वाले विकास को बढ़ावा देने का कार्य सभी क्षेत्रों में स्पष्ट रूप से दिखाई देता है। उन्होंने कहा कि वित्तीय समावेशन और उद्यमिता से लेकर शिक्षा, स्वास्थ्य सेवा, स्वच्छता, आवास, खेल, विज्ञान और शासन तक, महिलाएं विभिन्न क्षेत्रों में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं।

श्री मोदी ने इस बात पर बल दिया कि सरकार के प्रयास गरिमा, अवसर और सशक्तिकरण पर आधारित हैं, और उन्होंने बताया कि इनसे एक ऐसा वातावरण बनाने में सहायता मिली है जहां महिलाएं अपनी पूरी क्षमता को महसूस कर सकती हैं और राष्ट्र निर्माण में और भी अधिक मजबूती से योगदान दे सकती हैं।

प्रधानमंत्री ने विज्ञान, अंतरिक्ष और नवाचार जैसे क्षेत्रों में भारत की नारी शक्ति की उपलब्धियों पर विशेष प्रसन्नता व्यक्त की। उन्होंने कहा कि ड्रोन प्रौद्योगिकी जैसे उभरते क्षेत्रों में उनकी बढ़ती भागीदारी अवसरों के नए द्वार खोल रही है और पूरे देश के विकास परिदृश्य को बदल रही है।

श्री मोदी ने बताया कि सरकार स्वयं सहायता समूहों को सक्रिय रूप से समर्थन दे रही है और यह महिलाओं को आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं।

प्रधानमंत्री ने संस्कृत में एक सुभाषितम साझा करते हुए कहा कि भारत की नारी शक्ति राष्ट्र निर्माण की आधारशिला है। उन्होंने कहा कि आज हमारी माताएं, बहनें और बेटियां हर क्षेत्र में अपनी अद्भुत प्रतिभा और कौशल से मां भारती को गौरवान्वित कर रही हैं।

एक्स पर कई पोस्टों की एक श्रृंखला में, प्रधानमंत्री ने कहाः

पिछले 12 वर्षों में, एनडीए सरकार ने महिला नेतृत्व वाले विकास को बढ़ावा देने की दिशा में कार्य किया है और यह सभी क्षेत्रों में दिखाई देता है।

वित्तीय समावेशन और उद्यमिता से लेकर शिक्षा, स्वास्थ्य सेवा, स्वच्छता, आवास, खेल, विज्ञान और शासन तक, महिलाएं विविध क्षेत्रों में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं।

एनडीए सरकार के प्रयास गरिमा, अवसर और सशक्तिकरण पर आधारित हैं। उन्होंने ऐसा वातावरण बनाने में सहायता की है जहां महिलाएं अपनी पूरी क्षमता को महसूस कर सकें और राष्ट्र निर्माण में और भी अधिक मजबूती से योगदान दे सकें।

'भारत की नारी शक्ति को विज्ञान, अंतरिक्ष और नवाचार जैसे क्षेत्रों में अपनी पहचान बनाते हुए देखकर मुझे विशेष रूप से प्रसन्नता हो रही है। ड्रोन प्रौद्योगिकी जैसे उभरते क्षेत्रों में उनकी बढ़ती भागीदारी अवसरों के नए द्वार खोल रही है और पूरे देश में विकास परिदृश्य को बदल रही है। हमारी सरकार स्वयं सहायता समूहों को सक्रिय रूप से समर्थन दे रही है, जो महिलाओं को आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं।'

'भारत की नारी शक्ति राष्ट्र निर्माण की आधारशिला है। हमारी माताएं, बहनें और बेटियां आज हर क्षेत्र में अपनी अद्भुत प्रतिभा और कौशल से मां भारती का गौरव बढ़ा रही हैं।

प्रधानमंत्री ने श्री जसपाल राणा जी के निधन पर शोक व्यक्त किया

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने आज श्री जसपाल राणा जी के निधन पर गहरा शोक व्यक्त किया। प्रधानमंत्री ने कहा कि उनका निधन भारतीय खेल जगत के लिए एक अपूरणीय क्षति है।

श्री मोदी ने कहा कि उन्होंने निशानेबाजी में अपनी असाधारण उपलब्धियों से देश को अपार गौरव दिलाया। प्रधानमंत्री ने बताया कि युवा खिलाड़ियों को मार्गदर्शन देने और उन्हें दिशा-निर्देश देने में एक मार्गदर्शक के रूप में उनका योगदान भी उतना ही सराहनीय है। प्रधानमंत्री ने कहा कि उत्कृष्टता, अनुशासन और खेल जगत के प्रति उनकी अटूट प्रतिबद्धता ने उन्हें अपार प्रशंसा दिलाई।

मैगी खाते हैं तो हो जाइए सावधान! पैकेट से कीड़े मिलने के आरोप पर एफएसएसएआई सख्त, नेस्ले से मांगा जवाब

(जीएनएस)।

अगर आप भी बड़े चाव से मैगी नूडल्स खाते हैं, तो यह खबर आपको थोड़ा परेशान कर सकती है। भारत की शीर्ष खाद्य नियामक संस्था FSSAI ने देश के सबसे लोकप्रिय इंस्टेंट नूडल्स ब्रांड 'मैगी' के एक पैकेट में कथित तौर पर कीड़े और लार्वा मिलने की शिकायत पर कड़ा संज्ञान लिया है।

ऋरअकने इस मामले में मैगी बनाने वाली पैरेंट एफएमसीजी कंपनी नेस्ले इंडिया को एक आधिकारिक नोटिस जारी कर रिपोर्ट तलब की है।

सोशल मीडिया पर वायरल हुई एक शिकायत के बाद यह बड़ी कार्रवाई की गई है। इस खबर के बाहर आते ही शेयर बाजार में नेस्ले इंडिया के शेयरों में भारी गिरावट दर्ज की गई। शुक्रवार, 12 जून को नेस्ले इंडिया का शेयर करीब 3.29% गिरकर ₹1,375.70 पर बंद हुआ।

FSSAI ने नोटिस में क्या मांगें की हैं?

समाचार एजेंसी एएनआई (ANI)

की रिपोर्ट के अनुसार, FSSAI ने केवल सोशल मीडिया की वायरल पोस्ट को नजरअंदाज न करते हुए इसकी प्राथमिक जांच शुरू कर दी है। नियामक ने नेस्ले इंडिया से एक विस्तृत 'एक्शन टेकन रिपोर्ट' (ATR यानी की गई कार्रवाई की रिपोर्ट) मांगी है।

नोटिस के अनुसार, कंपनी को वेंडर से जुड़ी जानकारियां तुरंत उपलब्ध कराने को कहा गया हैः

सप्लाई चेन और वेंडर की जानकारीः उस प्रभावित बैच के निर्माण से जुड़े सप्लायर्स और वेंडर्स का पूरा नेटवर्क।

इंटरनल क्वालिटी लॉग्सः संबंधित प्रोडक्शन बैच के आंतरिक गुणवत्ता जांच (Quality Check Logs) और निरीक्षण का रिकॉर्ड।

स्टॉक वापस लेने के निर्देशः प्रभावित बैच के उत्पादों को मार्केट और डिस्ट्रीब्यूशन सप्लाई चेन से तुरंत हटाने (Recall) के लिए क्या सुधारात्मक कदम उठाए गए हैं, उसकी जानकारी।

इंदौर से ब्रिक्स कृषि सहयोग का नया संकल्प; केंद्रीय कृषि मंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने शुभारंभ सत्र को किया संबोधित

प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में ह्लवसुधैव कुटुंबकमह्व के साथ वैश्विक साझेदारी पर जोर- श्री शिवराज सिंह

छोटे किसानों को सशक्त बनाने पर भारत का फोकस- केंद्रीय मंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान

कृषि विकास में 4.5% वार्षिक वृद्धि, खाद्य उत्पादन 376 मिलियन टन तक पहुंचा- श्री चौहान

महिला और युवा शक्ति कृषि परिवर्तन का आधार- श्री शिवराज सिंह चौहान

प्राकृतिक खेती और तकनीक से भविष्य की तैयारी- केंद्रीय कृषि मंत्री श्री शिवराज सिंह

(जीएनएस)।

मध्य प्रदेश की व्यावसायिक राजधानी और स्वच्छता के प्रतीक इंदौर में ब्रिक्स देशों के कृषि मंत्रियों के दो दिवसीय सम्मेलन का आज शुभारंभ हुआ। इस अवसर पर केंद्रीय कृषि व किसान कल्याण एवं ग्रामीण विकास मंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने भारत की कृषि शक्ति, सांस्कृतिक मूल्यों और वैश्विक सहयोग की प्रतिबद्धता को प्रभावी ढंग से प्रस्तुत किया। उन्होंने

प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में ह्लवसुधैव कुटुंबकमह्व की भावना को आगे बढ़ाते हुए इस मंत्र के साथ दुनिया को एक परिवार मानते हुए शांति, समन्वय और साझेदारी आधारित विकास पर जोर दिया। इस अवसर पर केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण राज्य मंत्री श्री रामनाथ ठाकुर भी उपस्थित थे।

केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने अपने संबोधन में "अतिथि देवो भवः" की भारतीय परंपरा का उल्लेख करते हुए सभी प्रतिनिधियों का हार्दिक स्वागत किया और कहा कि भारत हमेशा वैश्विक एकता, शांति और सहयोग का पक्षधर रहा है। उन्होंने स्पष्ट किया कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत का दृष्टिकोण ह्लयुद्ध नहीं शांति, संघर्ष नहीं समन्वयह्व पर आधारित है, जो वैश्विक कृषि साझेदारी के लिए मार्गदर्शक सिद्धांत बन सकता है।

उन्होंने कहा कि यह संवाद विशेष रूप से छोटे और सीमांत किसानों के सामने मौजूद चुनौतियों- जैसे जलवायु परिवर्तन, प्राकृतिक संसाधनों पर दबाव और बाजार की अनिश्चितता का सामूहिक समाधान खोजने के लिए महत्वपूर्ण मंच है। उन्होंने जोर देकर कहा कि यदि छोटे किसान मजबूत होते हैं, तो दुनिया की खाद्य सुरक्षा स्वतः सुदृढ़ हो जाएगी।

केंद्रीय मंत्री श्री चौहान ने भारत की कृषि उपलब्धियों का उल्लेख करते हुए बताया कि पिछले एक दशक में कृषि क्षेत्र में लगभग 4.5 प्रतिशत की औसत वार्षिक वृद्धि दर्ज की गई है। देश का कुल खाद्य उत्पादन बढ़कर लगभग 376 मिलियन टन तक पहुंच गया है। गेहूं उत्पादन 118 मिलियन टन के करीब पहुंचा, जबकि बागवानी उत्पादन 378 मिलियन टन से अधिक हो गया है। मछली उत्पादन भी बढ़कर 19 मिलियन टन से अधिक हो चुका है।

उन्होंने बताया कि भारत विश्व का सबसे बड़ा खाद्य सुरक्षा कार्यक्रम संचालित करता है, जिसके माध्यम से बड़ी आबादी को खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित की जाती है।

केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह ने श्री अमरनाथ जी यात्रा की सुरक्षा तैयारियों पर समीक्षा बैठक की

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में हमारी सरकार श्री अमरनाथ जी यात्रा के श्रद्धालुओं की सर्वोच्च सुरक्षा एवं सुगम यात्रा के लिए पूर्णतः कटिबद्ध है

यात्रा मार्ग पर CAPFs, जम्मू-कश्मीर पुलिस, तथा सभी सुरक्षा एजेंसी मिलकर Multi-layered अभेद्य सुरक्षा ग्रिड स्थापित करें

सुरक्षा व्यवस्था में ड्रोन, CCTV निगरानी, सर्विलांस सिस्टम तथा अन्य आधुनिक तकनीकों के व्यापक उपयोग से सुरक्षा तंत्र को और सुदृढ़ किया जाए

यात्रा के दौरान विभिन्न CAPFs, जम्मू कश्मीर पुलिस के वरिष्ठ अधिकारी शिविर स्थलों पर व्यवस्थाओं की निरंतर निगरानी करें

यात्रा मार्ग के अतिरिक्त अन्य प्रमुख पर्यटन स्थलों पर भी सुदृढ़ सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित की जाए, ताकि श्रद्धालु सुरक्षित रूप से पर्यटन का आनंद ले सकें

श्रद्धालुओं के पंजीकरण, आवास, स्वास्थ्य सेवाओं एवं आपदा प्रबंधन सहित सभी आवश्यक सुविधाओं की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित हो

यात्रा से जुड़े स्थानीय लोगों एवं पशुओं के पंजीकरण हों, दफ कोड युक्त आइडेंटिटी कार्ड जारी किए जाएं

मौसम की स्थिति एवं पूर्वानुमान के अनुरूप ही श्रद्धालुओं के जत्थों को आगे बढ़ाने की व्यवस्था की जाएगी

(जीएनएस)।

केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री श्री

अमित शाह ने आज नई दिल्ली में श्री अमरनाथ जी यात्रा 2026 की तैयारियों पर सुरक्षा समीक्षा बैठक की अध्यक्षता की। बैठक में जम्मू-कश्मीर के उप-राज्यपाल श्री मनोज सिन्हा, राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार श्री अजित डोभाल, केन्द्रीय गृह सचिव, थलसेना प्रमुख, आसूचना ब्यूरो (IB) के निदेशक, जम्मू-कश्मीर के मुख्य सचिव एवं पुलिस महानिदेशक, केन्द्रीय सशस्त्र पुलिस बलों (CAPFs) के महानिदेशक और गृह मंत्रालय, भारतीय सेना और जम्मू एवं कश्मीर केंद्र शासित प्रदेश प्रशासन के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे। इस वर्ष अमरनाथ जी की यात्रा 3 जुलाई से 28 अगस्त, 2026 तक आयोजित होगी।

केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री ने बैठक में कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में हमारी सरकार श्री अमरनाथ जी यात्रा के श्रद्धालुओं की पुख्ता सुरक्षा एवं सुगम यात्रा सुनिश्चित करने के लिए पूरी तरह कटिबद्ध है।

टीएमसी में 'दादा-भतीजा' जंग तेज! कल्याण बनर्जी के आरोपों पर अभिषेक बनर्जी ने तोड़ी चुप्पी, आखिर क्या कहा?

(जीएनएस)।

तृणमूल कांग्रेस (TMC) के भीतर की अंदरूनी कलह और 'ममता बनाम अभिषेक' की जंग अब खुलकर सड़क पर आ गई है। पार्टी के वरिष्ठ सांसद और दिग्गज वकील कल्याण बनर्जी द्वारा लगाए गए 'अहंकारी' होने के गंभीर आरोपों पर आखिरकार टीएमसी के राष्ट्रीय महासचिव अभिषेक बनर्जी ने अपनी चुप्पी तोड़ दी है।

शुक्रवार, 12 जून को देर शाम पत्रकारों से बातचीत करते हुए अभिषेक बनर्जी ने बेहद नपे-तुले और शांत अंदाज में पलटवार किया, जिससे स्पष्ट है कि पार्टी इस समय दो धड़ों में पूरी तरह बंट चुकी है।

अभिषेक बनर्जी ने कल्याण बनर्जी के बयानों पर सीधे तौर पर कोई भी टिप्पणी करने से इनकार करते हुए कहा-"कल्याण बनर्जी उम्र में मुझसे काफी बड़े हैं। उन्होंने मुझे बचपन से देखा है और उन्हें अपने विचार व्यक्त करने का पूरा अधिकार है। मैं उनके खिलाफ एक शब्द भी नहीं बोलूंगा।"

कल्याण बनर्जी ने दीदी को दिया अल्टिमेटमः 'या तो अभिषेक रहेंगे या मैं'

दरअसल, यह पूरा विवाद टीएमसी के भीतर चल रहे 'साइनगेट' घोटाले और अभिषेक बनर्जी की कार्यशैली को लेकर शुरू हुआ है। 69 वर्षीय कल्याण बनर्जी ने पार्टी के राज्यसभा सांसद डेरेक ओ'ब्रायन के सामने सीधे तौर पर ममता बनर्जी को अल्टीमेटम दे दिया है।

कल्याण बनर्जी ने बेहद आक्रामक अंदाज में कहा-"मैंने डेरेक से साफ कह दिया है कि अब ममता बनर्जी को फैसला करना होगा पार्टी में या तो वह (अभिषेक बनर्जी) रहेंगे या फिर मैं। यह बहुत ज्यादा अहंकार है। देखिए इस अहंकार ने पार्टी का क्या हाल कर दिया है। मैंने हमेशा कहा है कि मैं आपको (अभिषेक को) अपना नेता तभी मानूंगा जब आप त्रिपुरा या गोवा में पार्टी को चुनाव जिताकर दिखाएंगे।"

कल्याण बनर्जी ने कानूनी मोर्चे पर भी अपनी उपेक्षा का आरोप लगाया। उन्होंने कहा, मैं विधानसभा के मामले को संभाल रहा था, लेकिन अचानक उन्होंने मेरी जगह अयान भट्टाचार्य नाम के किसी वकील को भेज दिया। मेरे पास 45 साल का वकालत का अनुभव है, वे मेरे साथ डस्टबिन जैसा व्यवहार नहीं कर सकते। ळटउ के कई नेताओं का आरोप है कि पार्टी अब 'ममता मॉडल' को छोड़कर जबरन 'डायमंड हार्बर मॉडल' (अभिषेक बनर्जी का संसदीय क्षेत्र और उनकी रणनीतियां) पर चल रही है, जिससे पुराने और वरिष्ठ नेता खुद को अलग-थलग महसूस कर रहे हैं।

क्या है 'साइनगेट' विवाद, जिसने बढ़ाई कलह?

पार्टी के भीतर विद्रोह की मुख्य वजह 'साइनगेट' विवाद है। दरअसल, पश्चिम बंगाल सीआईडी (CID) एक बेहद संवेदनशील मामले की जांच कर रही है।

सम्पादकीय

अब क्यूबा को कब्जाने की धमकी

भारत में एक कहावत है विनाश काले विपरीत बुद्धि यानी जब आप पर विपत्ति आती है तो आपकी सबसे पहले बुद्धि भ्रष्ट होती है। यही हाल है अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और उसके रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ का। पीट हेगसेथ ने ताजा बयान दिया है जिससे लगता है कि ट्रंप का अगला निशाना क्यूबा है। पीट हेगसेथ ने हाल ही में गुआंतानामो बे का दौरा किया और क्यूबा को कई शब्दों में चेतावनी दी। हेगसेथ ने क्यूबा को स्पष्ट किया कि अमेरिका के खिलाफ किसी भी तरह की धमकी बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

उन्होंने साफ किया कि ईंरान के बाद या साथ-साथ क्यूबा भी ट्रंप के निशाने पर है। लगता है कि ट्रंप अपने पड़ोसी देश क्यूबा के खिलाफ जंग छेड़ने के मूड में है। जबकि ईंरान युद्ध में बुरी तरह पंसे हुए हैं और बाहर निकलने के लिए बेताब हैं और अब क्यूबा को कब्जाने की धमकी दे रहे हैं। उन्होंने क्यूबा की एनजी सप्लाईं काटने के बाद अब एयरव्राफ्ट वैरियर यूएसएस निमित्ज को पूरे वैरियर ग्रुप के साथ तैनात कर दिया है। यह तैनाती ठीक उसी तरह की है जिस तरह उन्होंने वेनेजुअला पर हमला करने से पहले वहां के राष्ट्रपति निकोलास मादुरो को हटाने के लिए चारों और तैनात किया था। क्यूबा पर हमले की तैनाती में अमेरिका ने क्यूबा के 94 वषीय पूर्व राष्ट्रपति राउल कास्त्रो पर हत्या का आरोप भी लगाया है। इसके बाद अटकलें तेज हो गईं हैं कि अमेरिका की तख्ता पलट सूची में अगला नाम क्यूबा का हो सकता है। अमेरिका की मैक्सिमम प्रैशर की वजह से क्यूबा में दशकों का सबसे बड़ा ईंधन और बिजली संकट पैदा हो गया है। इसी बीच ट्रंप और उनके अधिकारी लगातार यह कह रहे हैं कि 66 साल से सत्ता में मौजूद कम्युनिस्ट सरकार का अंत होना चाहिए। व्हाइट हाउस ने यह भी चेतावनी दी है कि वह अमेरिका के तट से सिर्प 144 किलोमीटर किसी दागी राष्ट्र को बर्दाश्त नहीं करेगा। अब ये चर्चा है कि राउल कास्त्रो को कोई सैन्य अभियान चलाकर मादुरो की तरह गिरफ्तार करके अमेरिका लाया जा सकता है। उन्हें अमेरिका लाकर उन पर मुकदमा चला सकता है। इस साल की शुरूआत में एक कार्यर्कारी आदेश में ट्रंप ने दावा किया था कि क्यूबा में रूस का सबसे बड़ा विदेशी जासूसी वेंद्र मौजूद है।

बिडेन प्रशासन ने चीन पर भी आरोप लगाया था कि उसने अमेरिका के तटों से सिर्प 90 मील दूर स्थित इन कम्युनिस्ट द्वीप पर जासूसी वेंद्र खोल रखा है। यही नहीं ट्रंप प्रशासन ने करीब 30 साल पुराने एक मामले को अचानक जिंदा करके क्यूबा के पूर्व राष्ट्रपति राउल कास्त्रो पर गंभीर आरोप लगा दिया। असल में 1996 में समुद्र में पंसे लोगों और क्यूबा से भागकर अमेरिका आने वाले शरणार्थियों की मदद करने वाला एक संगठन छोटे नागरिक विमानों के जरिए रेस्क्यू मिशन चला रहा था। उसके दो नागरिक विमानों को क्यूबा के सैन्य विमानों ने मार गिरया। इसमें चार अमेरिकी नागरिकों की मौत हो गई थी। इस घटना के बाद दोनों देशों के रिश्तों में और ज्यादा तनाव बढ़ गया था। अब तीन दशक बाद अमेरिकी अधिकारियों ने पूर्व क्यूबाई राष्ट्रपति राउल कास्त्रो पर हत्या, साजिश रचने और विमान गिराने से जुड़े आरोप लगाए हैं। राउल कास्त्रो क्यूबा की राजनीति के सबसे ताकतवर चेहरों में से एक हैं। उन्होंने अपने भाई फिदल कास्त्रो के बाद देश की राजनीति संभाली थी। अब सवाल है कि आखिर 30 साल बाद अमेरिका इस मामले को क्यों उठाना चाहता है?

लखनऊ में 'पावर कट' का तोड़ बनी 'सौर ऊर्जा'; एक महीने में रिकॉर्ड 9500+ परिवारों ने छतों पर लगाया सोलर प्लांट

(जीएनएस)।

लखनऊ : उत्तर प्रदेश की राजधानी इस समय दोहरी मार झेल रही है. एक तरफ आसमान से बरसती आग और दूसरी तरफ बेपटरी हुई बिजली सप्लाई, लेकिन इस संकट के बीच लखनऊ के लोगों ने एक ऐसा रास्ता ढूंढ निकाला है जिसने इतिहास रच दिया है. महज एक माह के अंदर शहर के रिकॉर्ड 9,560 परिवारों ने पारंपरिक बिजली को अलविदा कहकर सौर ऊर्जा को अपना लिया.

लखनऊ के इतिहास में पहली बार किसी एक माह में इतनी बड़ी संख्या में सोलर पैनल इंस्टॉल किए गए हैं. इसके साथ ही लखनऊ में सोलर उपभोक्ताओं का आंकड़ा एक लाख के पार कर गया है, जो यह साबित करता है कि अब लखनऊ 'पावर कट' के भरोसे नहीं, बल्कि सूरज की रोशनी से रोशन हो रहा है.

लखनऊ में सोलर क्रांति!

लखनऊ देश का पहला जिला बन गया है, जिसने पीएम सूर्यघर योजना के तहत एक लाख से अधिक रूफटॉप सोलर इंस्टॉलेशन का ऐतिहासिक आंकड़ा पार किया है. यहां पर लगातार सोलर पैनल लगाने की प्रक्रिया में तेजी आ रही है. देखिए संवाददाता अखिलेश्वर पांडेय की खास रिपोर्ट...

"प्रदेश में अब तक लगे पांच लाख 60 हजार से अधिक सोलर पैनल" : यूपीनेडा के अधिकारियों के मुताबिक, पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना के अंतर्गत उत्तर प्रदेश में अब तक 9.91 लाख से अधिक आवेदन प्राप्त हुए हैं. इन आवेदनों के एवज में लगभग पांच लाख 60 हजार से ज्यादा रूफटॉप सोलर संयंत्र स्थापित किए जा चुके हैं. इन संयंत्रों से उत्तर प्रदेश के 5.64 लाख से अधिक परिवार लाभान्वित हुए हैं. उत्तर प्रदेश देश का पहला राज्य है जिसने पीएम सूर्य घर के तहत योजना की रियल-टाइम मॉनिटरिंग और पारदर्शी क्रियान्वयन तय किया है.

छतों पर लगाये गये सोलर प्लांट

छतों पर लगाये गये सोलर प्लांट (ढँङ्गेज्ञ्ङ्ग्ू१ृँ३ि: एळ्श ईंं१३)

"यूपी में डेवलप हुई 1900 मेगावाट रूफटॉप सौर क्षमता" : यूपी में लगभग 1900 मेगावाट रूफटॉप सौर क्षमता डेवलप की जा चुकी है. लाभार्थियों को अब तक 3,602 करोड़ रुपये से अधिक की केंद्रीय सब्सिडी और 1,200 करोड़ रुपये से अधिक की अतिरिक्त सब्सिडी दी जा चुकी है. वर्तमान में उत्तर प्रदेश में रोजाना करीब 2,000 रूफटॉप सोलर पैनल इंस्टॉल किए जा रहे हैं. 6,000 से अधिक पंजीकृत वेंडरों के साथ उत्तर प्रदेश इस क्षेत्र में देश में अग्रिम पंक्ति में खड़ा है.

"36 से 40 करोड़ रुपये तक पहुंचा कारोबार" : उत्तर प्रदेश के नगर विकास एवं ऊर्जा मंत्री अरविंद कुमार शर्मा बताते हैं कि उत्तर प्रदेश में सौर ऊर्जा क्षेत्र का कारोबार बढ़कर रोजाना 36 करोड़ से 40 करोड़ रुपये तक पहुंच चुका है. इस योजना से अब तक 70 हजार से अधिक प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रोजगार सृजित हुए हैं. उनका कहना है कि 9,200 सरकारी भवनों पर 247 मेगावाट, जल जीवन मिशन के अंतर्गत लगभग 900 मेगावाट और 691 वाणिज्यिक और औद्योगिक भवनों पर 220 मेगावाट सौर क्षमता स्थापित की जा चुकी है.

ऑनलाइन आवेदन की प्रक्रिया

भारी भरकम बिजली बिल और गर्मी में भीषण बिजली कटौती से तंग आकर लखनऊ में बड़ी संख्या में उपभोक्ताओं ने अपने घर पर सोलर पैनल लगवाए हैं. इससे उन्हें बड़ी राहत मिली है. 'ईटीवी भारत" ने ऐसे उपभोक्ताओं से बात कर पूछा कि आपने वर्षों बाद अचानक मई के इस महीने में ही सोलर पैनल लगवाने का फैसला क्यों किया? पहले के बिजली बिल और अब सोलर लगने के बाद की स्थिति में क्या अंतर महसूस हो रहा है? भीषण गर्मी में आपके घर के उपकरण कैसे चल रहे हैं?

"पहले आता था 6000, अब आ रहा सिर्फ 1400 बिल" : जानकीपुरम निवासी उपभोक्ता विनोद अवस्थी का कहना है कि दिन में दो या तीन बार हर रोज बिजली कटती है तो बहुत परेशानी हो रही थी. यही सोच कर मैंने सोलर पैनल लगवाया. सोलर पैनल लगवाने के बाद बड़ी राहत मिली है. उनका दावा है कि पहले ₹6000 तक बिल आता था, अब इस महीने सिर्फ ₹1400 बिल आया है तो बड़ा अच्छा लग रहा है कि बिल बहुत कम हो गया है. घर में दो एसी चलते हैं, पंखे चल रहे हैं. फ्रिज भी दो चल रहे हैं. वाशिंग मशीन भी चलती रहती है. अब कोई दिक्कत नहीं होती. अब बिजली की कोई समस्या नहीं. सर्दी में करीब 300 रुपये के आस-पास ही बिल आएगा.

"सोलर पैनल लगवाने से अब बेफिक्र हो गए" : आईआईएम रोड निवासी उपभोक्ता अखिलेश का कहना है कि सोलर पैनल लगाने से हमारा बिजली खर्च बहुत कम हो गया. हमारा बिजली बिल 2000 से 2200 रुपये तक आता था, अब सोलर पैनल लगवा लिया है तो अब बिजली की कोई फिक्र ही नहीं करनी पड़ती है. अब आराम से हम कूलर एसी चलाते हैं, लेकिन बिजली बिल की परवाह नहीं होती है. अब लखनऊ में ज्यादातर घरों में लोग सोलर पैनल लगवा ले रहे हैं और क्यों न लगवाएं जब बिजली बिल काफी कम देना पड़ता है. सुविधाएं भी खूब मिलती हैं, इसलिए सभी लोग अपने यहां सोलर पैनल लगवा रहे हैं.

आइये जानते हैं क्या कहते हैं डीलर?

सोलर पैनल लगाने वाले डीलर ज्ञानेंद्र कुमार सिंह का कहना है कि मई माह में लखनऊ में हजारों की संख्या में लोगों ने सोलर पैनल लगवाए हैं. मेरे यहां रोजाना ही कम से कम पांच से 10 इंक्वारी सोलर पैनल लगवाने की हो रही है. उनका कहना है कि मई माह में पूरे लखनऊ के डीलरों के पास जो पैनल के डिस्ट्रीब्यूटर थे उनके पास पैनल की कमी पड़ गई. मजदूरों की कमी पड़ गई. लोगों की तीन-तीन साइट चल रही हैं और स्टॉलर मिल ही नहीं रहे.

उन्होंने बताया कि मई माह में आलम ये हुआ कि लोगों ने अलग-अलग कंपनियों के सोलर लगवाए. लोग सबसे ज्यादा तीन किलोवाट का सोलर अपने घर पर लगवा रहे हैं. यूपीनेडा के मुताबिक, एक लाख 80 हजार रुपये तक का खर्च आता है. कोई एक लाख 70 हजार रुपये में भी लगा देता है तो कोई एक लाख 60 हजार रुपये में भी लोग अपना कमीशन काट कर कम पर लगा देते हैं.

ऐसे करें आवेदन

उन्होंने बताया कि तीन किलोवाट पर 78 हजार सेंट्रल गवर्नमेंट से और 30 हजार रुपये स्टेट गवर्नमेंट की तरफ से सब्सिडी के रूप में उपभोक्ता को मिलते हैं. उनका कहना है कि सोलर पैनल लगवाने की प्रक्रिया की बात करें तो कई प्रोसेस होते हैं. पहले हम उपभोक्ता का बिजली का बिल देखते हैं. कितना लोड स्वीकृत है. अगर तीन किलो वाट स्वीकृत है तो तीन किलो वाट की प्रक्रिया पूरी करते हैं. आधार, पैन कार्ड और बिजली का बिल लेकर लोन की प्रक्रिया पूरी करते हैं.

उन्होंने बताया कि अगर कैश पर लेना है तो फिर वह प्रक्रिया शुरू करते हैं. लोन के लिए फाइल बैंक को जाती है. बैंक सर्वे करता है. अगर उपभोक्ता का सिविल अच्छा होता है तो लोन स्वीकृत हो जाता है और एजेंसी को बता दिया जाता है. इसके बाद इंस्टॉलेशन की प्रक्रिया शुरू होती है. बिजली विभाग की टीम जाती है वह सर्वे करती है. अगर स्मार्ट मीटर लगा होता है तो दो से तीन दिन में काम हो जाता है.

उन्होंने बताया कि अगर स्मार्ट मीटर नहीं होता है तो थोड़ा समय लगता है. अब तो सभी घरों में स्मार्ट मीटर ही है तो सोलर जल्दी लग जाता है. अगर उपभोक्ता के सभी दस्तावेज पूरे हैं और कैश पेमेंट कर रहा है तो हम एक दिन में ही लगा सकते हैं. एक दिन में लग जाता है लेकिन, शुरू होने में सप्ताह तक का समय लग जाता है. अगर लोन कराता है तो लगभग 10 से 15 दिन के अंदर प्रक्रिया पूरी हो जाती है. लखनऊ में सब कुछ सही चल रहा है.

छतों पर लगे सोलर

"उत्तर प्रदेश का बहुत ही अच्छा प्रदर्शन रहा" : उत्तर प्रदेश नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा विकास अभिकरण (UPNEDA) के डायरेक्टर रविंद्र कुमार का कहना है कि सौर ऊर्जा के एडॉप्शन को बढ़ाने के लिए हम लगातार प्रयास कर रहे हैं. इसमें पीएम सूर्यघर योजना की बात करें तो इसमें हाल ही में उत्तर प्रदेश का बहुत ही अच्छा प्रदर्शन रहा है.

"1900 मेगावाट से ज्यादा की इंस्टॉलेशन कैपेसिटी..." : उन्होंने बताया कि मई माह में सौर ऊर्जा माह मनाया गया था. इसके तहत कंपटीशन हुआ था, जिसमें इंस्टॉलेशन की संख्या की बात करें तो उत्तर प्रदेश पूरे देश में पहले स्थान पर आया था. पीएम सूर्य घर योजना के तहत अब तक हम 5,65,000 घरों को रूफटॉप सोलर पैनल से लैस कर चुके हैं, जिससे 1900 मेगावाट से ज्यादा की इंस्टॉलेशन कैपेसिटी हमने अचीव की है.

सोलर पैनल लगाने की प्रक्रिया

उन्होंने बताया कि हमारा लक्ष्य है कि इस वित्तीय वर्ष में इंस्टॉलेशन कैपेसिटी को हम डबल कर सकें. हम अधिक से अधिक लोगों तक जागरूकता फैला रहे हैं. विभिन्न हितधारक हैं उनके साथ बैठक कर रहे हैं. उनकी समस्या के समाधान की कोशिश कर रहे हैं. जिस प्रकार से अलग-अलग जनपदों ने हमारे प्रदेश में सोलर पैनल लगवाने में रुचि दिखाई है, हमें पूरा यकीन है इस लक्ष्य की हम प्राप्ति कर लेंगे. हाल ही में लखनऊ पूरे देश में एक लाख से अधिक रूफटॉप सोलर पैनल लगाने वाला जनपद बना है, यह हमारे लिए खुशी की बात है.

आइये जानते हैं क्या कहते हैं ऊर्जा मंत्री?

सवाल : एक महीने में 9,560 नए कनेक्शन आना अभूतपूर्व है. विभाग ने इतनी भारी मांग को इतनी जल्दी कैसे पूरा किया? सप्लाई चेन की क्या स्थिति रही?

"6000 से ज्यादा वेंडर कार्यरत" : इस सवाल पर उत्तर प्रदेश के ऊर्जा मंत्री अरविंद कुमार शर्मा का कहना है कि लखनऊ समेत उत्तर प्रदेश में अब 6000 से ज्यादा वेंडर कार्यरत हैं. सोलर पैनल की कोई कमी नहीं है. सही समय पर वेंडर्स को कई कंपनियों के सोलर पैनल उपलब्ध हो रहे हैं, इसलिए डिमांड चाहे जितनी आ जाए लेकिन, सप्लाई चेन नहीं टूट सकती.

छतों पर लगे सोलर

छतों पर लगे सोलर (ढँङ्गेज्ञ्ङ्ग्ू१ृँ३ि: एळ्श ईंं१३)

सवाल : लखनऊ में सोलर प्लांट की संख्या एक लाख पार होने से मुख्य ग्रिड (टश्शछ) पर लोड कितना कम हुआ है? क्या इससे बिजली कटौती में कोई सुधार देखने को मिलेगा?

इस सवाल पर उनका कहना है कि निश्चित तौर पर लखनऊ में बड़ी संख्या में लोग सोलर पैनल लगवा रहे हैं. यही कारण है कि देश में लखनऊ जिला सोलर पैनल लगवाने के मामले में नंबर एक पर आया है. जहां तक ग्रिड पर लोड कम होने की बात है तो इसका असर जरूर पड़ा है.

"उपभोक्ताओं को मिल रही 24 घंटे बिजली" : उन्होंने कहा कि लखनऊ की बिजली डिमांड इसीलिए पूरी हो पा रही है. उपभोक्ताओं को 24 घंटे बिजली मिल रही है. आवेदकों के लिए सब्सिडी की व्यवस्था है इसलिए लोग बढ़-चढ़कर सोलर पैनल लगवा रहे हैं, जिससे उन्हें हर माह के बिजली बिल से छुटकारा मिल सके. उपभोक्ताओं के खातों में सब्सिडी उनके सभी दस्तावेज पूर्ण होने पर हरहाल में 30 दिन के अंदर आ जाती है, इसमें देरी नहीं होती है.

'मई महीने की ऐतिहासिक छलांग'

23 अप्रैल 2026 (91,003 प्लांट) बनाम 25 मई 2026 (1,00,563 प्लांट) (लखनऊ).

विश्व कप के पहले मैच में बोस्निया-हजेगीविना के खिलाफ कनाडा को 1-1 से ड्रॉ दिलाने में साइल लारिन ने देर से गोल किया।

(जीएनएस)।

कनाडा ने सात मैचों में अपना पहला विश्व कप अंक हासिल किया, बोस्निया-हजेगीविना के खिलाफ 1-1 से ड्रॉ खेला। टोरंटो में हुए इस मैच में 78वें मिनट में स्थानापन्न खिलाड़ी साइल लरीन ने देर से बराबरी का गोल किया। लाल रंग के कपड़े पहने और मेपल लीफ के झंडे लहरा रहे कनाडाई प्रशंसकों ने टीम को ऊजार्वान बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

टोरंटो के सीएन टॉवर के नीचे खेल रहे कनाडा को तब एक शुरूआती झटका लगा जब 21वें मिनट में जोवो ल्यूकिक ने बोस्निया-हजेगीविना के लिए गोल कर दिया। घायल खिलाड़ियों एडिन जेको और हारिस तबकोविच की जगह ले रहे ल्यूकिक ने कॉर्नर किक का फायदा उठाकर अपना पहला अंतरराष्ट्रीय गोल किया।

साइल लरीन, जो आमतौर पर शुरूआत करते हैं लेकिन खेल में देर तक बेंच पर थे, मैदान में उतरने के कुछ ही देर बाद बराबरी का गोल कर दिया। लरीन ने घरेलू मैदान पर गोल करके खुशी व्यक्त की और एक जीवंत माहौल में प्रशंसकों के साथ जश्न मनाया।

कोचों की प्रतिक्रियाएं

कनाडा के कोच जेसी मार्स ने प्रशंसकों की ऊर्जा की प्रशंसा की और कॉनर मैकडविड, रायन रेनॉल्ड्स और माइक मायर्स जैसी हस्तियों की उपस्थिति का उल्लेख किया। मार्स ने जीत सुनिश्चित करने के लिए भविष्य के मैचों में मजबूत शुरूआत की आवश्यकता पर जोर दिया।

बोस्निया के कोच सर्गेज बरबारेज ने दबाव में अपनी टीम के लचीलेपन की सराहना की। ड्रॉ के बावजूद, यूरोपीय प्लेऑफ में इटली के खिलाफ अपनी पिछली सफलता को देखते हुए बोस्निया का प्रदर्शन उल्लेखनीय था।

आगामी मैच

दोनों टीमें आगामी मैचों के साथ अपनी विश्व कप यात्रा जारी रखेंगी। बोस्निया 18 जून को लॉस एंजिल्स में स्विट्जरलैंड और 24 जून को सिएटल में कतर से खेलेगी। कनाडा 18 जून को कतर और 24 जून को स्विट्जरलैंड से खेलेगी, दोनों मैच वैंकूवर में होंगे।

कनाडा मैचों की शुरूआत से अपने प्रदर्शन को बेहतर बनाने का लक्ष्य बना रहा है, जैसा कि मार्स की मैच के बाद की टिप्पणियों में उजागर किया गया है। टीम को हैमस्ट्रिंग चोट के कारण प्रमुख खिलाड़ी अल्फोंसो डेविस की कमी खली, लेकिन भविष्य के खेलों के बारे में आशावादी बनी हुई है।

प्रशंसकों का समर्थन

टोरंटो स्टेडियम में मैच देखने के लिए 43,000 की भीड़ उमड़ी, जिसमें कनाडाई समर्थकों का दबदबा था, लेकिन बोस्नियाई प्रशंसकों की भी ध्यान देने योग्य उपस्थिति थी, जिससे जीवंत माहौल में और जान आ गई। खेल के दौरान कनाडा की टीम को प्रेरित करने में प्रशंसकों का समर्थन महत्वपूर्ण था।

इंडिया के विमान हादसे के एक साल बाद भी क्यों नहीं आई फाइनल जांच रिपोर्ट? एएआईबी ने बताया जांच कहां तक पहुंची

(जीएनएस)।

अहमदाबाद से लंदन जा रहे एयर इंडिया के विमान हादसे को आज पूरा एक साल बीत चुका है। पिछले साल 12 जून को झकझोर देने वाली इस भीषण विमान दुर्घटना की जांच कर रहे 'विमान दुर्घटना जांच ब्यूरो' (AAIB) ने शुक्रवार को अपनी प्रगति रिपोर्ट जारी की है।

हालांकि, हादसे में अपने प्रियजनों को खोने वाले परिवारों के लिए यह रिपोर्ट थोड़ी निराशाजनक हो सकती है, क्योंकि अअक्छ ने अंतिम जांच रिपोर्ट जारी करने के लिए कोई भी निश्चित समयसीमा तय करने से इनकार कर दिया है।

सरकारी जांच एजेंसी ने अपने आधिकारिक बयान में कहा कि दुर्घटना की जांच अभी भी जारी है। ब्यूरो इस समय हादसे से जुड़े सभी तकनीकी, संगठनात्मक और मानवीय कारकों का 'साक्ष्य-आधारित विस्तृत मूल्यांकन' करने पर ध्यान केंद्रित कर रहा है।

एजेंसी ने स्पष्ट किया कि वह 'एयरक्राफ्ट (इन्वेस्टिगेशन ऑफ एक्सीडेंट्स एंड इंसिडेंट्स) रूल्स, 2017' और अंतर्राष्ट्रीय नागरिक उड्डयन संगठन (ICAO) के 'एनेक्स

13' के मानकों के अनुरूप पूरी पारदर्शिता से जांच कर रही है। हादसे के एक महीने बाद, यानी 12 जुलाई 2025 को एक प्राइमरी फैक्चुअल रिपोर्ट जारी की गई थी।

पिछले एक साल की प्रोग्रेस का ब्योरा देते हुए AAIB ने बताया-पिछले एक साल के दौरान विमान के सभी सिस्टम, फ्लाइट डेटा रिकॉर्डर (ब्लैक बॉक्स), कॉकपिट वॉइस रिकॉर्डर, इंजन के पुर्जों, मेंटेनेंस (रखरखाव) रिकॉर्ड और ऑपरेशनल दस्तावेजों का बेहद बारीकी से विश्लेषण किया गया है।

इस जांच में केवल भारतीय एजेंसियां ही नहीं, बल्कि मान्यता प्राप्त अंतरराष्ट्रीय प्रतिनिधि, तकनीकी सलाहकार और संबंधित संगठनों के विषय विशेषज्ञ भी लगातार सहयोग कर रहे हैं। जुटाए गए सभी सबूतों का एक साथ मिलान करके अध्ययन किया जा रहा है और जहां भी जरूरत महसूस हो रही है, वहां आगे की स्पेशलिस्ट एग्जामिनेशन कराई जा रही है।

ब्यूरो ने साफ तौर पर कहा कि जांच पूरी तरह से स्वतंत्र, निष्पक्षता पर आधारित है। ICAO की तय प्रक्रियाओं के तहत सभी आवश्यक अंतरराष्ट्रीय समीक्षाएं और जांच प्रक्रियाएं पूरी होने के बाद ही अंतिम रिपोर्ट सार्वजनिक की जाएगी। तब तक किसी भी तरह की समयसीमा बताना संभव नहीं है।

AAIB ने अपने बयान में एक महत्वपूर्ण बात दोहराई कि इस जांच का प्राथमिक उद्देश्य एविएशन सेफ्टी में सुधार करना और भविष्य के लिए सबक सीखना है। इसका उद्देश्य किसी व्यक्ति या संस्था पर दोष मढ़ना या कानूनी लायबिलिटी तय करना नहीं है।

ब्यूरो ने मीडिया और आम जनता से भी अपील की है कि जब तक अंतिम निष्कर्ष सामने नहीं आ जाते, तब तक इस संवेदनशील मामले पर मनगढ़ंत कयासों या समय से पहले किसी नतीजे पर पहुंचने से बचें।

क्या हुआ था 12 जून 2025 को?

ठीक एक साल पहले, 12 जून 2025 को एयर इंडिया की उड़ान संख्या AI-171 (बोइंग 787-8 ड्रीमलाइनर विमान, रजिस्ट्रेशन नंबरः VT-ANB) ने अहमदाबाद के सरदार वल्लभभाई पटेल अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे से लंदन गेटविक के लिए उड़ान भरी थी। लेकिन उड़ान भरने के महज 30 सेकंड बाद ही यह विमान अनियंत्रित हो गया और एक बड़े हादसे का शिकार हो गया।

दो में से एक को मिल रह रोटी, भुखमरी से जूझ रहा पाक का ये राज्य, भेदभाव कर रहे शहबाज?

(जीएनएस)।

पाकिस्तान के आर्थिक सर्वे 2025-26 ने बलूचिस्तान की जमीनी सच्चाई को एक बार फिर सामने ला दिया है। सर्वे के मुताबिक, बलूचिस्तान की लगभग आधी आबादी आज भी भीषण गरीबी में जीवन जीने को मजबूर है। इतनी गरीबी की दो में से सिर्फ एक को ही खाना मिल पा रहा है। इन आंकड़ों ने पाकिस्तान में संसाधनों के असमान वितरण और विकास की नीतियों पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। रिपोर्ट के सामने आने के बाद पूरे पाकिस्तान में इस बात पर बहस शुरू हो गई है कि प्राकृतिक संसाधनों से समृद्ध होने के बावजूद बलूचिस्तान विकास की दौड़ में इतना पीछे क्यों है।

गरीबी में जी रहे बलूची

स्थानीय मीडिया रिपोर्टों और बलूचिस्तान पोस्ट के पाकिस्तान, बलूचिस्तान और पाकिस्तान के दूसरे प्रांतों के बीच विकास का अंतर लगातार बढ़ता जा रहा है। यहां के लोगों को आज भी रोजमर्रा की बुनियादी जरूरतों को पूरा करने के लिए संघर्ष करना पड़ता है। विशेषज्ञों का कहना है कि लंबे समय से चली आ रही राजनीतिक भेदबाव, न के बराबर इन्फ्रास्ट्रक्र, मिनिमम इन्वेस्टमेंट और व्यापारिक प्रतिबंधों ने क्षेत्र की आर्थिक स्थिति को बेहद कमजोर बना दिया है। यही वजह है कि विकास की रफ्तार बाकी प्रांतों की तुलना में बेहद कम रही है।

आधा बलूचिस्तान सो रहा भूखा

आर्थिक सर्वे में औसत गरीबी दर 28.9 प्रतिशत है। लेकिन बलूचिस्तान में यह आंकड़ा बढ़कर 47 प्रतिशत तक पहुंच गया है। इसका मतलब है कि बलूचिस्तान का लगभग हर दूसरा व्यक्ति गरीबी रेखा के आसपास या उससे नीचे जीवन जी रहा है। ये आंकड़े दिखाते हैं कि बलूचिस्तान की आर्थिक स्थिति राष्ट्रीय औसत से काफी खराब है।

सालों के भेदभाव ने किया गरीब

आर्थिक जानकारों का मानना है कि बलूचिस्तान की मौजूदा स्थिति अचानक पैदा नहीं हुई है। इसके पीछे कई सालों से चले आ रहे प्रशासनिक भेदभाव और कमजोर विकास नीतियां जिम्मेदार हैं। प्रांत में बुनियादी ढांचे का विकास अपेक्षित स्तर पर नहीं हुआ। उद्योगों की संख्या बेहद कम रही और बड़े निवेश

भी नहीं आए। इसका सीधा असर रोजगार के अवसरों पर पड़ा, जिससे स्थानीय युवाओं के लिए नौकरियां पैदा नहीं हो सकीं।

बेरोजगारी ने युवाओं को निराश किया

बलूचिस्तान में बढ़ती बेरोजगारी अब सामाजिक संकट का रूप लेती जा रही है। हाल ही में प्राकृतिक संसाधनों से समृद्ध जिले डेरा बुगती में एक युवक ने बेरोजगारी से परेशान होकर आत्महत्या का प्रयास किया। वहीं बलूचिस्तान की राजधानी क्वेटा में एक विश्वविद्यालय स्नातक ने नौकरी न मिलने के विरोध में सार्वजनिक रूप से अपनी मूल शैक्षणिक डिग्रियों को आग लगा दी। ये घटनाएं बताती हैं कि बलूचियों में पाकिस्तान को लेकर कितना गुस्सा भरा है।

पढ़ाई के बाद भी नहीं मिल रही नौकरी

स्थानीय मीडिया रिपोर्टों के मुताबिक, बलूचिस्तान के हजारों युवा उच्च शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं, लेकिन उन्हें रोजगार नहीं मिल रहा। शिक्षित युवाओं के सामने सबसे बड़ी चुनौती यह है कि पढ़ाई पूरी करने के बाद भी उनके लिए पर्याप्त रोजगार उपलब्ध नहीं हैं। इससे मानसिक तनाव, निराशा और भविष्य को लेकर असुरक्षा की भावना लगातार बढ़ रही है।

ईरान-अफगानिस्तान से व्यापार बंद, परिवारों पर असर

बलूचिस्तान की अर्थव्यवस्था लंबे समय से ईरान और अफगानिस्तान के साथ होने वाले सीमा पार व्यापार पर भी निर्भर रही है। लेकिन हाल के सालों में लगाए गए प्रतिबंधों के कारण यह व्यापार काफी प्रभावित हुआ है। इससे सीमावर्ती क्षेत्रों में रहने वाले हजारों परिवारों की आय पर सीधा असर पड़ा है। कई परिवारों की रोजी-रोटी का प्रमुख साधन खत्म हो गया है।

नहीं मिल रहा पीने को साफ पानी

बलूचिस्तान के कई दूरदराज क्षेत्रों में आज भी लोगों को साफ पीने का पानी उपलब्ध नहीं है। कई गांवों और कस्बों में लोग बुनियादी सुविधाओं के लिए संघर्ष कर रहे हैं। पानी, बिजली और सड़क जैसी सुविधाएं अभी भी कई इलाकों तक पूरी तरह नहीं पहुंच पाई हैं। अधिकांश जिलों में अस्पतालों और स्वास्थ्य केंद्रों की स्थिति खराब बताई जाती है। कई बार मरीजों को सामान्य इलाज के लिए भी सैकड़ों किलोमीटर दूर बड़े शहरों तक जाना पड़ता है। इससे गरीब परिवारों पर अतिरिक्त आर्थिक बोझ पड़ता है।

शिक्षा भी हुई चौपट

स्वास्थ्य सेवाओं की तरह शिक्षा क्षेत्र भी कई समस्याओं से घिरा हुआ है। कई सरकारी स्कूलों की इमारतें जर्जर हालत में हैं। शिक्षण सामग्री और संसाधनों की कमी के कारण बच्चों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा नहीं मिल पा रही। इससे शिक्षा की गुणवत्ता प्रभावित हो रही है और बच्चों के भविष्य पर भी असर पड़ रहा है। पूरे पाकिस्तान की तरह बलूचिस्तान भी महंगाई की मार झेल रहा है। खाना और जरूरी सामानों की कीमतों में लगातार बढ़ोतरी हो रही है। कई गरीब परिवार अब खर्च कम करने के लिए भोजन की मात्रा तक घटाने को मजबूर हैं। बढ़ती महंगाई ने सामाजिक और आर्थिक दबाव को और बढ़ा दिया है।

भरपूर संसाधन, फिर भी गरीब क्यों?

बलूचिस्तान प्राकृतिक गैस, खनिज और दूसरे प्राकृतिक संसाधनों से भरपूर माना जाता है। किन स्थानीय लोगों का कहना है कि इन संसाधनों का लाभ उन्हें नहीं मिला। वर्षों से संसाधनों का दोहन तो हुआ, लेकिन उससे पैदा होने वाली संपत्ति का असर स्थानीय जीवन स्तर पर नहीं दिखाई दिया। नीय नागरिक संगठन और सामाजिक समूह लंबे समय से मांग कर रहे हैं कि विकास परियोजनाओं और प्राकृतिक संसाधनों से होने वाली आय में बलूचिस्तान को उसका उचित हिस्सा दिया जाए। लेकिन पाकिस्तान सरकार ऐसा जानबूझकर नहीं करती ताकि बलूचियों को दबाए रखा जा सके।

PRGI No.: UPHIN/25/A1697 Published & Owned by AJAYKUMAR RAMANLAL PRAJAPATI and Printed By SUSHILA SHUKLA at Krishna Printiers, 271/31 Chakmaki Dugawa, Rajendranagar, Lucknow-226018, Uttar Pradesh.
and Published from 538 GHA/85 Pataurganj, Near Janki Prasad Dharmshala, Sitapur Road, Niralanagar, Lucknow-226020, Uttar Pradesh. Editor : ASHWANI KUMAR
Rage.Office: TF-01, Nanakram Super Market, Ramnagar, Sabarmati, Ahmedabad - 380 005 Gujarat,India. Phone : (O) 9016333307(M)9328333307,9825333307
Email : garvigujarat2007@gmail.com*garvigujarat2007@yahoo.com*Website : www.garvigujarat.co.in

'फ्लाइट में बम है...', टिश्यू पेपर पर लिखी धमकी, लखनऊ एयरपोर्ट पर मची खलबली

(जीएनएस)।

लखनऊ से दिल्ली रवाना होने वाली इंडिगो की फ्लाइट को बम से उड़ाने की धमकी झूठी (हॉक्स) पाई गई. सामने आया है कि फ्लाइट लैवेटरी में हाथ से टिश्यू पर एक नोट लिखा मिला था. इस नोट में विमान में बम होनी की बात लिखी थी. इस धमकी के बाद सुरक्षा एजेंसियां अलर्ट हो गई हैं.

सूत्रों के मुताबिक, उड़ान के टेकऑफ से ठीक पहले धमकी मिलने पर विमान को रोक दिया गया था और व्यापक सुरक्षा जांच शुरू कर दी गई. इसके बाद विमान और यात्रियों के सामान की गहन तलाशी ली गई. सुरक्षा एजेंसियां धमकी की सत्यता और उसके स्रोत की जांच में जुट गई थीं.

विमान में सवार थे 180 यात्री

सामने आया है कि लखनऊ से दिल्ली जाने वाली इंडिगो की फ्लाइट 6ए2111 को बम की धमकी मिलने के बाद उड़ान से ठीक पहले रोक दिया गया. यह विमान सुबह 10:45 बजे लखनऊ से दिल्ली के लिए रवाना होने वाला था और इसमें करीब 180 यात्री सवार थे, जानकारी के अनुसार, उड़ान से पहले विमान के शौचालय (लैवेटरी) में टिश्यू पेपर पर हाथ से लिखा एक नोट मिला, जिसमें विमान में बम होने का दावा किया गया था.

नोट मिलने के बाद एयरपोर्ट प्रशासन और सुरक्षा एजेंसियों को तुरंत सूचना दी गई, जिसके बाद सुरक्षा प्रोटोकॉल के तहत विमान की गहन जांच शुरू की गई. जांच के दौरान सभी यात्रियों को विमान से उतारकर सुरक्षित स्थान पर भेजा गया. विस्तृत तलाशी और सुरक्षा जांच के बाद बम की सूचना पूरी तरह झूठी (हॉक्स) पाई गई, हालांकि सुरक्षा प्रक्रिया के कारण फ्लाइट के डिपार्चर में देरी हुई. फिलहाल मामले की जांच जारी है और धमकी भरा नोट लिखने वाले व्यक्ति की पहचान करने के प्रयास किए जा रहे हैं

लखनऊ में पुरनिया से कुर्सी रोड परियोजना का काम 30 जून तक होगा पूरा

नगर आयुक्त गौरव कुमार ने शुक्रवार को जोन-तीन क्षेत्र में संचालित विभिन्न विकास योजनाओं एवं निर्माण कार्यों का निरीक्षण किया, जिसकी शुरूआत पटेल नगर पार्क स्थित निमार्णाधीन कल्याण मंडप से की गई।

(जीएनएस) ।लखनऊ । नगर आयुक्त गौरव कुमार ने शुक्रवार को जोन-तीन क्षेत्र में संचालित विभिन्न विकास योजनाओं एवं निर्माण कार्यों का निरीक्षण किया, जिसकी शुरूआत पटेल नगर पार्क स्थित निमार्णाधीन कल्याण मंडप से की गई। उन्होंने निर्माण कार्यों की प्रगति का जायजा लेते हुए अभियंत्रण विभाग के अधिकारियों को निर्देशित किया कि कल्याण मंडप का निर्माण कार्य निर्धारित समय सीमा में पूरा कराया जाए।

नगर आयुक्त ने सीएम ग्रिड परियोजना के पहले चरण के अंतर्गत

जोन-3 में संचालित कार्यों का निरीक्षण किया। उन्होंने कपूरथला चौराहे से अलकापुरी तिराहे मंदिर मार्ग तक चल रहे कार्यों की समीक्षा करते हुए चीफ इंजीनियर सिविल को निर्देश दिए कि सभी कार्य आगामी 15 दिनों के अंदर पूरे कर लिए जाएं। नगर आयुक्त ने इसके बाद पुरनिया अलीगंज रोड से कुर्सी रोड होते हुए जनगणना निदेशालय तक विकसित की जा रही सीएम ग्रिड परियोजना का निरीक्षण किया। उन्होंने कार्यस्थल पर मौजूद बाधाओं एवं चुनौतियों की जानकारी लेते हुए संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि सभी अवरोधों को तत्काल दूर कर 30 जून तक परियोजना का कार्य पूरा कराया जाए।

सीवर समस्या के समाधान पर जोर

निरीक्षण के क्रम में नगर आयुक्त विंध्याचल क्रॉसिंग से बाटी चोखा रेस्टोरेंट, पप्पू स्टोर ताड़ीखाना क्षेत्र तक पहुंचे, जहां सीएम ग्रिड परियोजना के कार्य प्रगति पर हैं। मौके पर सीवर से जुड़ी समस्याओं को देखते हुए उन्होंने जीएम जलकल को तत्काल आवश्यक कार्रवाई करने को कहा। उन्होंने फैजुल्लागंज स्थित शिव नगर कॉलोनी के नाले का निरीक्षण किया। उन्होंने नाला सफाई कार्यों की समीक्षा करते हुए कार्य की गति बढ़ाने के लिए एक अतिरिक्त मशीन लगाने के निर्देश चीफ इंजीनियर आरआर मनोज प्रभात को दिए साथ ही उन्होंने कहा कि नाले से निकाली गई सिल्ट के सूखते ही उसका तत्काल उठान

अमीनाबाद इंटर कॉलेज में 1200 सीटों पर होंगे एडिमशन, 139 साल पुराने स्कूल में पहली बार छात्राएं ले सकेंगी दाखिला

(जीएनएस)।

लखनऊ। अमीनाबाद इंटर कालेज में प्रवेश प्रक्रिया शुरू है। यहां लगभग 1200 सीटों पर छात्रों के साथ छात्राओं के भी दाखिले होंगे। फिलहाल कालेज में एक हजार विद्यार्थी पढ़ रहे हैं। ऐसे में बची 200 सीटों पर अगस्त तक प्रवेश लिया जा सकता है। पहली बार यहां छात्रों के साथ छात्राओं को भी पढ़ने का अवसर दिया गया है।

नगर निगम द्वारा संचालित अमीनाबाद इंटर कालेज की स्थापना 10 अक्टूबर 1887 को अमीनाबाद म्यूनिसिपल एबीसी स्कूल के रूप में हुई थी। 1947 में यह इंटरमीडियट कालेज बना। यूपी बोर्ड से संचालित इस कालेज में वर्तमान में कक्षा से छह से 12 तक पढ़ाई कराई जाती है। लगभग एक लाख वर्ग फीट में बने कालेज परिसर में 68 कमरे हैं, जिनमें से 34 कक्षाओं के रूप में उपयोग किए जाते हैं।

विद्यालय में 10 प्रयोगशालाएं भी हैं। यहां 46 शिक्षक व चार व्यावसायिक अतिथि शिक्षक हैं। इनमें

15 शिक्षिकाएं भी हैं। कालेज के प्रधानाचार्य साहब लाल मिश्र ने बताया कि यहां का परीक्षा परिणाम 95 प्रतिशत से अधिक रहता है। 139 साल बाद बालिकाओं को भी प्रवेश दिया जा रहा है।

कालेज में 128 सीसी कैमरे लगाए हैं। कक्षाओं के साथ ही परिसर की निगरानी भी सीसी कैमरों से की जाती है। यहां क्रिकेट, बास्केटबाल, बैडमिंटन, टेबिल टेनिस, शतरंज आदि खेलों के साथ ही जिम की भी व्यवस्था है। कालेज में प्रतिदिन योग प्रशिक्षक योग भी कराते हैं। पुस्तकालय और वाचनालय की भी सुविधा है।विज्ञान माडल बनाने के लिए कार्यशालाएं आयोजित की जाती हैं।

स्मार्ट क्लास के साथ ही स्मार्ट बोर्ड भी हैं। छात्र-छात्राओं को प्रतिदिनि निश्शुल्क अखबार पढ़ने के लिए भी दिया जाता है। इससे विभिन्न विषयों पर विद्यार्थियों का ज्ञानवर्धन होता है। कालेज में प्रतिदिन तीन तरह की शपथ दिलाई जाती है। इनमें समग्र जागरुकता शपथ, बालिका सुरक्षा शपथ व स्वच्छता शपथ शामिल हैं।

इन पूर्व विद्यार्थियों ने रोशन किया नाम

- नौशाद अली, संगीतकार
- तलत महमूद, गायक
- चंद्रभानु गुप्त, पूर्व मुख्यमंत्री
- बेनी प्रसाद वर्मा, पूर्व केंद्रीय मंत्री
- एचएन तिलहरी, न्यायमूर्ति उच्च न्यायालय
- राम नाथ शर्मा, न्यायमूर्ति उच्च न्यायालय

राम मंदिर चढ़ावे में गबन के आरोपों पर शंकराचार्य का पहला बयान, चंपत राय पर साधा निशाना

(जीएनएस)।

अयोध्या, राम लला की जन्मभूमि पर मंदिर बनने का इंतजार वर्षों से भक्त कर रहे थे. अब जब मंदिर बन गया है तो वहां पर आने वाले दान को लेकर एक नया विवाद खड़ा हो गया है. इस मंदिर से करोड़ों श्रद्धालुओं की भावनाएं जुड़ी हैं, ऐसे में यह दान विवाद तूल पकड़ता जा रहा है. इसी बीच शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद के बयान से भी हलचल तेज हो गई है. विवाद के बीच स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद ने राम मंदिर तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय पर निशाना साधा है.

जब स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद से सवाल किया गया कि अखिलेश यादव द्वारा लगाए गए आरोपों पर वह क्या कहेंगे तो जवाब में शंकराचार्य ने कहा, "अखिलेश यादव ने आरोप क्या लगाया, यह बात तो वहीं से निकल कर आई है न. वहां तो लगातार ही चोरी हो रही है. आज पहली बार थोड़े ही हुई है. मंदिर का जब शिलान्यास हुआ था, तबसे ही ये सब चल रहा है. कितने आरोप लग चुके हैं कि शिला पूजन में चोरियां हुईं, फिर

राम जन्मभूमि पर मंदिर बनने लगा तो प्लॉट बिकने लगे. दो-दो मिनट में प्लॉट की कीमत करोड़ों में हो जाती थी. अब यह वाली चोरी. वहां तो पहले से चल रहा है."

यूपी में धर्मांतरण रोकने के लिए सभी मेडिकल कॉलेजों में बनेगी विशेष सेल, राज्यपाल ने दिए आदेश

'जहां चंपत बैठे हैं, वहां ऐसा ही होगा'

वहीं, ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय पर हमला बोलते हुए शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद ने कहा, "जब वहां चंपत राय बैठे हैं... चंपत का मतलब जानते हैं? चंप धातु से ही चंपत शब्द बना है. चंप का मतलब ही होता है लेकर भाग जाना. चंपत हो जाना. जब वहां पहले ही चंपत राय को बैठा दिए तो आपको समझ जाना चाहिए कि क्या होने वाला है."

राम मंदिर दान विवाद में जांच की मांग

इसी के साथ सभी साधु-संत दान में कथित अनियमितता को लेकर जांच की मांग कर रहे हैं. इससे पहले महंत कमल नयन दास ने कहा कि अगर किसी प्रकार की अनियमितता सामने आई है तो उसकी जांच होनी चाहिए, लेकिन जांच प्रक्रिया पूरी तरह निष्पक्ष और पारदर्शी होनी चाहिए. ऐसी जांच होनी चाहिए जिस पर सभी पक्षों को भरोसा हो.

यूपी चुनावः सपा-कांग्रेस के बाद अब इखद में सीट शेयरिंग की बात शुरू, ओपी राजभर ने दे दिए ये संकेत

गौरतलब है कि स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद इस वर्ष माघ मेले में विवाद के बाद से ही राज्य की योगी सरकार के खिलाफ मोर्चा खोले हुए हैं. कई मौकों पर उन्होंने राज्य सरकार की आलोचना की है. इतना ही नहीं राम मंदिर के शिलान्यास से लेकर लोकार्पण तक के फैसलों पर उन्होंने आलोचना की है.

यूपीः दो विशाल रैलियों से बसपा फूकेंगी 2026 का चुनावी बिगुल, अयोध्या में रैली करने के पीछे क्या है वजह?

(जीएनएस)।

बहुजन समाज पार्टी आगामी विधानसभा चुनाव के लिए जमीन तैयार करने की कवायद में जुट गई है। पार्टी द्वारा आगामी 22 और 23 जून को दो बड़ी जनसभाएं अयोध्या और अकबरपुर में आयोजित करने की तैयारी है। इन जनसभाओं को पार्टी प्रदेश अध्यक्ष विश्वनाथ पाल संबोधित करेंगे। बता दें कि बसपा ने जून माह में चुनावी तैयारियों को शुरू करने की योजना बनाई थी, जिसके तहत इन जनसभाओं का कार्यक्रम बनाया गया

है।

पार्टी सूत्रों की मानें तो दोनों जनसभाओं में पार्टी के तमाम वरिष्ठ पदाधिकारी भी मौजूद रहेंगे। साथ ही पार्टी ने जिन सीटों पर अपने प्रभारी बनाए है, उन्हें बतौर प्रत्याशी मंच पर उपस्थित रहने का अवसर दिया जाएगा। वहीं दूसरे दलों के कुछ नेताओं को भी बसपा में शामिल कराने की तैयारी है, जिनमें हाल ही में सपा में जाने वाले एक पूर्व सांसद भी शामिल हैं।

बसपा प्रदेश अध्यक्ष की इन दोनों जिलों में अच्छी पकड़ है। अयोध्या में रैली करने की कई वजहों में एक प्रमुख वजह यह भी है। उन्होंने बीते कुछ माह के दौरान दोनों जिलों में कई बड़े कार्यक्रम भी आयोजित किए थे जिसमें हजारों लोगों को पार्टी की सदस्यता ग्रहण कराई गई थी।

अंतरजनपदीय वॉलीबॉल लखनऊ ने सीतापुर को सीधे सेटों में हराया

(जीएनएस)।

सुल्तानपुर। पुलिस लाइन मैदान में शुक्रवार को तीन दिवसीय 27 वीं अंतरजनपदीय (लखनऊ जोन) वॉलीबॉल (पुरुष- महिला) और सेपक टकरा प्रतियोगिता का शुभारंभ हुआ। मेजबान जिले की पुलिस की ओर से आयोजित इस जोनल प्रतियोगिता के उद्घाटन मुकाबले में वॉलीबॉल में लखनऊ ने शानदार प्रदर्शन कर सीतापुर को सीधे सेटों में 2-0 से पराजित कर विजयी शुरूआत की। जीती, बम्हौर ने फाइनल में बनाई जगह

प्रतियोगिता का उद्घाटन मुख्य अतिथि जिलाधिकारी इंद्रजीत सिंह ने किया। पुलिस अधीक्षक एवं आयोजन सचिव चारू निगम ने बताया कि उत्तर प्रदेश स्पोर्ट्स कंट्रोल बोर्ड के वार्षिक

कैलेंडर के तहत आयोजित इस प्रतियोगिता में लखनऊ जोन के नौ जिलों की टीमें हिस्सा ले रही हैं। करीब 110 खिलाड़ी तीन दिनों तक अपनी खेल प्रतिभा का प्रदर्शन करेंगे।

लखनऊ की टीम ने सीतापुर पर शुरू से दबदबा बनाए रखा। दूसरे मैच में अयोध्या ने रोमांचक संघर्ष के बाद अंबेडकरनगर को 2-1 से हराया। तीसरे मुकाबले में हरदोई ने रायबरेली को 2-1 से शिकस्त दी, जबकि दिन के चौथे मैच में अयोध्या ने सीतापुर को 2-0 से पराजित किया। पहले दिन लीग चरण के मुकाबले खेले गए।

पुलिस लाइन मैदान के साथ पंत स्पोर्ट्स स्टेडियम में कोर्ट तैयार किए गए हैं। मुकाबलों में निर्णायक की भूमिका यूपी पुलिस के कोच धनंजय राय, सर्वेश सिंह, पंकज दुबे, रामजीत, प्रियेश राय, विकास सिंह और स्टेडियम कोच प्रदीप यादव ने निभाई। प्रतियोगिता का समापन रविवार को होगा। उद्घाटन समारोह में आरआई राजेश कुमार, अपर पुलिस अधीक्षक वृज नारायण सिंह, क्षेत्राधिकारी लाइन रामकृष्ण चतुर्वेदी, मुनेंद्र मिश्रा सहित पुलिस विभाग के अधिकारी एवं खिलाड़ी मौजूद रहे।

केजीएमयू में भर्ती विचाराधीन बंदी पुलिस अभिरक्षा से भागा

(जीएनएस)।

लखनऊ। केजीएमयू के गांधी वार्ड में भर्ती विचाराधीन बंदी हैदर अली बेग (39) शुक्रवार सुबह पुलिस अभिरक्षा से भाग निकला। आरोपी बंदी और उसकी निगरानी में तैनात दोनों सिपाहियों के खिलाफ चौक कोतवाली में एफआईआर दर्ज की गई है।

एडीसीपी पश्चिमी धनंजय कुशवाहा के अनुसार, ओडिशा के बालेश्वर जिले के चांदीपुर निवासी हैदर अली सात जनवरी 2025 से जिला जेल में बंद था। उसे खून की उल्टी और रक्तस्राव की शिकायत के

कारण 31 मई को जेल अस्पताल फिर बलरामपुर अस्पताल में भर्ती किया गया था। हालत बिगड़ने पर चार जून को केजीएमयू में शिफ्ट किया गया। शुक्रवार सुबह करीब 11 बजे बंदी रक्षक नागेश चंद्र सरोज ने उसके गायब होने की सूचना दी।

बंदी की निगरानी में हेड कांस्टेबल दिनेश कुमार और धर्मेंद्र सिंह तैनात थे। वे सुबह आठ बजे से शाम चार बजे तक ड्यूटी पर थे। हैदर के भागने के बाद पुलिसकर्मियों ने उच्चाधिकारियों को तुरंत सूचना नहीं दी। वे खुद कई घंटों तक उसकी तलाश करते रहे। एडीसीपी ने बताया कि आरोपी की तलाश में पुलिस की टीमें लगाई गई हैं। जल्द ही उसे गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

फर्जी सैन्य अधिकारी बनकर यौन शोषण का था आरोप

हैदर अली पर फर्जी सैन्य अधिकारी बनकर सरोजनीनगर की महिला के यौन शोषण का आरोप है। उसने शादी का झांसा देकर साढ़े चार लाख रुपये के जेवर भी हड़पे थे। इस मामले में सरोजनीनगर थाने में उसके खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई थी। उसे छह जनवरी 2025 को गिरफ्तार किया गया था। आरोपी हैदर अली हैदराबाद और बेंगलुरु में प्राइवेट सिक्योरिटी गार्ड का काम करता था।

हत्याकांड के चार आरोपियों की जमानत याचिका खारिज

(जीएनएस)।

रायबरेली। रायबरेली सत्र न्यायालय ने ललित तिवारी हत्याकांड के चार आरोपियों की जमानत याचिकाएं खारिज कर दी हैं। आरोपी अंकित, योगेन्द्र कुमार, पिंकी और पंकज ने धारा 108 के तहत दर्ज मामले में जमानत मांगी थी।

अभियोजन पक्ष के अनुसार याची अमरदीप सिंह उर्फ पिंकू ने आरोप लगाया था कि आरोपियों ने उनके पुत्र ललित तिवारी को प्रेम-प्रसंग के चलते बुलाया था और उसके बाद पीटने के बाद हत्या कर शव को लखनऊ-प्रयागराज हाईवे पर पेड़ पर लटका दिया था। यह घटना 14 मई 2026 की रात में हुई थी। बचाव पक्ष ने तर्क दिया कि आरोपी निर्दोष हैं और उन्हें झूठा फंसाया गया है। उन्होंने कहा कि ललित तिवारी पिंकी से शादी करना चाहा था, लेकिन परिवार के विरोध के कारण उसने आत्महत्या कर ली। बचाव पक्ष ने यह भी दावा किया कि पिंकी की शादी घटना वाले दिन ही कहीं और हो रही थी। हालांकि, अभियोजन पक्ष ने जमानत का विरोध करते हुए कहा कि आरोपियों के खिलाफ पर्याप्त साक्ष्य मौजूद हैं।

न्यायालय ने मामला डायरी और अभियोजन प्रपत्रों का अवलोकन किया। आत्महत्या नोट में ललित को पंकज और पिंकी द्वारा अपने चाचा के लड़के गोलू व अंकित से मरवाने का जिक्र था। पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट में मृतक के शरीर पर गला दबाने से दम घुटने और अन्य चोटों की पुष्टि हुई। इन तथ्यों और परिस्थितियों को देखते हुए न्यायालय ने जमानत देने के पर्याप्त आधार नहीं पाए। साथ ही जमानत याचिका को खारिज कर दिया।

अयोध्या में आयोजित होगा 'कलर्स ऑफ अयोध्या', 9 राज्यों के दिग्गज कलाकार उकेरेंगे शहर की सांस्कृतिक पहचान

अयोध्या में 15 से 19 जून तक 'कलर्स ऑफ अयोध्या' अखिल भारतीय कलाकार शिविर आयोजित किया जा रहा है।

(जीएनएस)।

अयोध्या। भारत की सांस्कृतिक परंपरा में कुछ नगर केवल भौगोलिक स्थान नहीं होते, वे समय, स्मृति और सभ्यता के जीवंत प्रतीक बन जाते हैं। अयोध्या ऐसा ही एक नगर है, जिसकी पहचान केवल एक धार्मिक तीर्थ के रूप में सीमित नहीं है। यह भारतीय संस्कृति, दर्शन, साहित्य, लोक परंपराओं और मानवीय मूल्यों की धरोहर है।

इसी उद्देश्य से कला दीर्घा, अंतरराष्ट्रीय दृश्यकला पत्रिका तथा जेबीएनएस सोसायटी के संयुक्त तत्वावधान में 15 से 19 जून आल इंडिया आर्टिस्ट कैंप ह्यकलर्स ऑफ

अयोध्याह्न का आयोजन किया जा रहा है। सोसाइटी की निदेशक व इस कैंप की संरक्षक मंजुला झुनझुनवाला ने बताया कि यह आयोजन जेबीएनएसएस परिसर में ही होगा।

अयोध्या के पास है अपार सांस्कृतिक पूंजी

उन्होंने कहा कि यह आयोजन केवल एक कला शिविर नहीं, बल्कि अयोध्या की सांस्कृतिक आत्मा को समकालीन भारतीय कला के माध्यम से देखने, समझने और अभिव्यक्त करने का एक महत्त्वाकांक्षी प्रयास है। उन्होंने कहा कि अयोध्या में भी कला और संस्कृति की ऐसी गतिविधियों का विकास आवश्यक है जो इस नगर की बहुआयामी पहचान को नए संदर्भों में स्थापित कर सकें।

कलर्स ऑफ अयोध्या इसी दिशा में एक दूरगामी पहल है। उन्होंने कहा कि अयोध्या के सांस्कृतिक पुनर्जागरण का यह समय केवल भौतिक विकास तक सीमित नहीं रहना चाहिए। किसी भी नगर की वास्तविक पहचान उसकी सांस्कृतिक सक्रियता से निर्मित होती है।

अयोध्या के पास अपार सांस्कृतिक पूंजी है। आवश्यकता इस बात की है कि उसे समकालीन अभिव्यक्तियों से जोड़ा जाए। उन्होंने कहा कि हम चाहते हैं अयोध्या कला, साहित्य और संस्कृति के राष्ट्रीय विमर्श में भी उतनी ही प्रमुखता से उपस्थित हो, जितनी वह आध्यात्मिक जगत में है।

होंगी दो हेरिटेज वॉक

शिविर के क्यूरेटर डॉ. अवधेश मिश्र के कहा कि कलर्स ऑफ अयोध्या वास्तव में भारत की विविध सांस्कृतिक सुवासों से सजा हुआ एक ऐसा गुलदस्ता है, जिसमें विभिन्न प्रदेशों की कलात्मक परंपराएं एक साथ उपस्थित होंगी। शिविर में नौ राज्यों के 10 प्रतिष्ठित कलाकार भाग ले रहे हैं। इनमें बिहार से पद्मश्री श्याम शर्मा, महाराष्ट्र से रामचंद्र खरटमल और डगलस जान, हरियाणा से डॉ. राम विरंजन, गुजरात से कनु पटेल, तेलंगाना से अर्पिता रेड्डी, मध्य प्रदेश से तृप्ति जोशी, पश्चिम बंगाल से सुकांता दास, ओडिशा से मानस रंजन जेना तथा उत्तर प्रदेश से शिविर के क्यूरेटर डॉ. अवधेश मिश्र शामिल हैं।

शिविर की कोआर्डिनेटर एवं जिंगल बेल अकादमी की प्रधानाचार्य डॉ. दिव्या शुक्ला ने बताया कि कलाकारों को अयोध्या से परिचित कराने के लिए दो हेरिटेज वॉक भी कराई जाएगी, जिसमें पहली अयोध्या तो दूसरी फैजाबाद शहर की होगी।

कलाकार अयोध्या के प्रमुख सांस्कृतिक और ऐतिहासिक स्थलों का भ्रमण करेंगे। उन्होंने बताया कि सुप्रसिद्ध चित्रकारों द्वारा बनाई गई कलाकृतियां हमारी धरोहर है, यह क्रय विक्रय के लिए उपलब्ध नहीं होंगी।

सीतापुर : मुफ्त इलेक्ट्रिक चाक मशीन के लिए 20 जून तक करें आवेदन, माटीकला बोर्ड का सुनहरा मौका

(जीएनएस)।

सीतापुर में माटीकला बोर्ड द्वारा वित्तीय वर्ष 2026-27 के लिए मुफ्त बिजली चालित चाक मशीन वितरण योजना शुरू की गई है। सीतापुर। जिला ग्रामोद्योग अधिकारी आरएस पाल ने बताया कि माटीकला बोर्ड के तहत माटीकला निशुल्क टूल-किट्स (बिजली चालित चाक मशीन) वितरण योजना संचालित है। वित्तीय वर्ष 2026-27 में चाक मशीन का निशुल्क वितरण किया जाना है। इसके लिए आनलाइन आवेदन किए जा सकते हैं।

आनलाइन आवेदन माटीकला बोर्ड से संचालित पोर्टल https://upmatikalaboard.in पर करना होगा। लाभार्थियों का चयन शासनादेश के तहत गठित समिति द्वारा साक्षात्कार के माध्यम से किया जाएगा।

चयनित उद्यमियों को स्वरोजगार स्थापित करने के उद्देश्य से बिजली चालित चाक मशीन प्रदान की जानी है। इच्छुक पुरुष व महिला माटीकला बोर्ड द्वारा संचालित पोर्टल पर 20 जून तक आवेदन कर सकते हैं।

इसके बाद आवेदन की हार्ड कापी विकास भवन स्थित जिला ग्रामोद्योग कार्यालय में जमा कर सकते हैं। आवेदन के विषय में अधिक जानकारी के लिए कार्यालय से संपर्क किया जा सकता है।

दिल्ली-वाराणसी बुलेट ट्रेन के स्टेशनों को लेकर शुरू हुआ मंथन, ये चार स्थान चिह्नित; एक पर लगेगी मुहर

(जीएनएस)।

लखनऊः उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ में बुलेट ट्रेन का स्टेशन कहां बनेगा, इस पर विमर्श तेज हो गया है। चार स्थानों को चिह्नित किए जाने की बात सामने आई है। इसमें एक स्थल को अंतिम रूप दिया जाएगा। केंद्र सरकार ने दिल्ली से वाराणसी तक बुलेट ट्रेन के संचालन के लिए रूट भी तय कर दिया है। डीपीआर के मुताबिक, बुलेट ट्रेन का मुख्य रूट 812 किलोमीटर का होगा। हालांकि, लखनऊ जंक्शन पॉइंट होगा। यहां से अयोध्या के लिए अलग ब्रांच लाइन जाएगी। बुलेट ट्रेन का निर्माण कार्य पूर्ण होने के बाद दिल्ली से लखनऊ तक की यात्रा महज दो घंटे की रह जाएगी। लखनऊ में बुलेट ट्रेन के स्टेशन को लेकर कानपुर रोड स्थित शहीद पथ-किसान पथ एक्सप्रेसवे का इलाका, वृंदावन योजना (जी-20 ग्राउंड), इकाना स्टेडियम के पास और गोमती रिवरफ्रंट के चिह्नित किए जाने की बात सामने आई है।

जल्द स्थल हो सकता है फाइनल

लखनऊ में बुलेट ट्रेन के स्टेशन के निर्माण को लेकर जल्द फैसला होने की उम्मीद की जा रही है। 9 जून को लखनऊ डीएम की अध्यक्षता में महत्वपूर्ण बैठक हुई। इसमें लखनऊ डेवलपमेंट अथॉरिटी के विभिन्न विभागों के अधिकारियों ने भाग लिया। बैठक में प्रस्तावित स्थलों की कनेक्टिविटी, भूमि अधिग्रहण, निर्माण संबंधी चुनौतियों और शहर पर पड़ने वाले प्रभाव पर चर्चा हुई। अधिकारियों ने स्टेशन निर्माण के दौरान सबसे कम बाधाएं और यात्री सुविधाओं को लेकर बैठक में विमर्श किया। लखनऊ मेट्रो और अन्य संबंधित एजेंसियों के साथ बैठक में इस पर निर्णय होगा।

इन इलाकों से गुजरेगा बुलेट ट्रेन

दिल्ली-वाराणसी हाईस्पीड रेल कॉरिडोर का एलाइनमेंट लगभग तैयार हो चुका है। दिल्ली से कॉरिडोर की शुरूआत होगी। वहां से नोएडा, जेवर, मथुरा, आगरा, इटावा, कन्नौज, लखनऊ, रायबरेली, प्रयागराज, भदोही और वाराणसी तक जाएगा। इसके अलावा लखनऊ से अयोध्या के लिए अलग हाईस्पीड रेल कॉरिडोर प्रस्तावित है। अयोध्या से प्रयागराज तक भी लाइन विकसित की जाएगी। बुलेट ट्रेन के निर्माण से दिल्ली और यूपी के पश्चिमी भाग से पूर्वांचल तक का सफर काफी कम समय का होग जाएगा। यूपी चुनाव से पहले इसका शिलान्यास कराया जा सकता है।

क्या है कॉरिडोर की खासियत?

दिल्ली वाराणसी हाईस्पीड रेल कॉरिडोर के मेन लाइन की लंबाई 812 किलोमीटर की होगी। वहीं, लखनऊ से अयोध्या ब्रांच लाइन की लंबाई 124 किलोमीटर की होगी। इस कॉरिडोर पर बुलेट ट्रेन अधिकतम 350 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से दौड़ सकेगी। हालांकि, ट्रेन का संचालन 320 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से कराई जाएगी। परियोजना को करीब 2.50 से 3 लाख करोड़ रुपये में पूरा कराया जाएगा। बुलेट ट्रेन के स्टेशन दिल्ली, नोएडा, जेवर, मथुरा, आगरा, इटावा, कन्नौज, लखनऊ, अयोध्या, रायबरेली, प्रयागराज, भदोही और वाराणसी में बनाए जाएंगे।

बुलेट ट्रेन से यात्री दिल्ली से लखनऊ करीब दो घंटे में पहुंच सकेंगे। वहीं, लखनऊ से वाराणसी पहुंचने में करीब 1 घंटे 45 मिनट का समय लगेगा। इस प्रकार लखनऊ से वाराणसी 3 घंटे 45 मिनट से चार घंटे में पहुंचा जा सकेगा। वहीं, लखनऊ से अयोध्या 35 से 40 मिनट में लोग पहुंच सकेंगे।

25 से लखनऊ-वाराणसी सुपरफास्ट सहित दो ट्रेनों में लगेंगे एलएचबी कोच

(जीएनएस)।

सीनियर डीसीएम समर्थ गुप्ता ने बताया कि वर्तमान में इन ट्रेनों में पारंपरिक आईसीएफ रैक का उपयोग किया जा रहा है। एलएचबी कोच आधुनिक तकनीक से बने हैं, जो यात्रा अधिक सुरक्षित और आरामदायक बनाते हैं। इनमें झटके और कंपन कम महसूस होते हैं, जिससे लंबी दूरी की

यात्रा सुगम बनती है। दुर्घटना की स्थिति में ये कोच अधिक सुरक्षित माने जाते हैं।

कक्षा 9 के छात्र को सीनियर ने सरिया-डंडे से पीटा, आठ पर मुकदमा; छात्र की हालत गंभीर

(जीएनएस)।

लखनऊ। निजी स्कूल के कक्षा-9 के छात्र को सीनियर छात्र ने इंस्टाग्राम के माध्यम से सुनसान इलाके में बुलाया। फिर साथियों संग घेरकर सरिया, डंडे व धारदार हथियार से हमला कर दिया। सिर, हाथ, पैर व पीठ पर वार लगने से छात्र लहूलुहान होकर भागने लगा।

शोर सुनकर राहगीर जुटने लगे तो आरोपित साथियों संग फरार हो गया। घायल को अस्पताल पहुंचाया। विभूतिखंड पुलिस ने एक नामजद समेत आठ अज्ञात के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया। इंस्पेक्टर उपेंद्र सिंह ने बताया कि घटनास्थल के आसपास के सीसी कैमरों के फुटेज खंगाले जा रहे हैं।

गोमतीनगर निवासी नवल साहनी का नाबालिग बेटा निजी स्कूल में कक्षा-9 का छात्र है। स्कूल में कक्षा-11 में पढ़ने वाली विनीतखंड निवासी छात्र ने इंस्टाग्राम पर बुधवार को तीन घंटे के भीतर करीब 11 बार काल की। आरोप है कि बातचीत के बहाने सीनियर मुस्लिम छात्र ने विराटखंड एलपीएस स्कूल के पास बुलाया। उनका बेटा बुधवार रात में स्कूल के पास पहुंचा। वहां पर पहले से सीनियर छात्र अपने सात-आठ दोस्तों के साथ मौजूद था। आरोपितों ने जूनियर छात्र को घेरकर सरिया, डंडे व अन्य धारदार हथियार से हमला कर दिया। हमले में सिर फटने से छात्र लहूलुहान हो गया। शोर मचाते हुए घायल भागा। शोर सुनकर राहगीर मदद के लिए दौड़े। यह देख आरोपित व उसके साथी धमकाते हुए फरार हो गए।

घटना की सूचना राहगीरों ने परिवारजन को दी। घायल छात्र को मल्हौर स्थित प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र ले गए। प्राथमिक उपचार के बाद डाक्टर ने घायल को सरकारी अस्पताल रेफर कर दिया। विभूतिखंड पुलिस ने तहरीर पर रिपोर्ट दर्ज कर ली है।

सूर्य प्रताप शाही ने अयोध्या में आचार्य किशोर कुणाल की प्रतिमा का किया अनावरण, समाज सेवा में योगदान को किया याद

उत्तर प्रदेश के अयोध्या में स्थित अमावा राम मंदिर परिसर में आचार्य किशोर कुणाल की प्रतिमा का अनावरण समारोह श्रद्धा, सम्मान और गरिमामय वातावरण में संपन्न हुआ। उत्तर प्रदेश सरकार के कैबिनेट मंत्री एवं अयोध्या के प्रभारी मंत्री सूर्य प्रताप शाही ने प्रतिमा का अनावरण कर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। समारोह में बड़ी संख्या में संत-महात्मा, सामाजिक कार्यकर्ता, जनप्रतिनिधि एवं श्रद्धालु उपस्थित रहे।

अयोध्या, 12 जून (आईएएनएस)। उत्तर प्रदेश के अयोध्या में स्थित अमावा राम मंदिर परिसर में आचार्य किशोर कुणाल की प्रतिमा का अनावरण समारोह श्रद्धा, सम्मान और गरिमामय वातावरण में संपन्न हुआ। उत्तर प्रदेश सरकार के कैबिनेट मंत्री एवं अयोध्या के प्रभारी मंत्री सूर्य प्रताप शाही ने प्रतिमा का अनावरण कर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। समारोह में बड़ी संख्या में संत-महात्मा, सामाजिक कार्यकर्ता, जनप्रतिनिधि एवं श्रद्धालु उपस्थित रहे।

यूपी सरकार के मंत्री सूर्य प्रताप शाही ने कहा कि आचार्य किशोर कुणाल का जीवन समाज सेवा, राष्ट्रनिष्ठा और सनातन संस्कृति के

प्रति समर्पण का अद्भुत उदाहरण रहा है। अयोध्या और राम जन्मभूमि से जुड़े विषयों में उनका योगदान सदैव स्मरणीय रहेगा। उनके विचार, कार्य और व्यक्तित्व आने वाली पीढ़ियों को प्रेरणा देते रहेंगे।

पूर्व सांसद धनंजय सिंह ने पत्रकारों से बात करते हुए कहा कि आचार्य किशोर कुणाल का योगदान राम मंदिर में विशेष रूप से रहा है। उन्होंने बिहार, यूपी और धर्म के लिए काफी काम किया है। वो लगातार मानव की सेवा करते रहे और लोगों को धर्म के राह पर चलना सिखाया है। वो प्रशासनिक सेवा में रहते हुए भी काफी उत्कृष्ट कार्य किए थे। आने वाले समय में उनको हमेशा याद रखा जाएगा।

उन्होंने कहा कि आचार्य किशोर कुणाल ने अपनी पुस्तक में भी कई बातों को लिखा है। हम लोगों को उनसे काफी सीख लेना चाहिए। राम मंदिर को लेकर उन्होंने इतनी सही बात लिखी थी कि सुप्रीम कोर्ट में भी इस बात को सही बताया था। आचार्य किशोर कुणाल भारत सरकार के अयोध्या प्रकोष्ठ में कई वर्षों तक विशेष कार्याधिकारी (ओएसडी) के रूप में कार्यरत रहे। राम जन्मभूमि से जुड़े न्यायिक, ऐतिहासिक और प्रलेखन संबंधी कार्यों में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका रही, जिसे देश हमेशा याद रखेगा।

वक्ताओं ने बताया कि आचार्य किशोर कुणाल ने अयोध्या विषय पर दो महत्वपूर्ण पुस्तकों की रचना की थी। उनके मार्गदर्शन में 'राम रसोई' जैसी सेवा परियोजना की शुरूआत हुई, जिसके माध्यम से आज भी हजारों श्रद्धालुओं और जरूरतमंदों को भोजन उपलब्ध कराया जा रहा है। इसके साथ ही महावीर मंदिर ट्रस्ट के माध्यम से श्रीराम मंदिर निर्माण के लिए 10 करोड़ रुपए का योगदान भी प्रदान किया गया था। समारोह में उपस्थित लोगों ने उनके योगदान को नमन करते हुए उन्हें युगद्रष्टा, समाजसेवी और धर्मनिष्ठ व्यक्तित्व के रूप में याद किया।

कार्यक्रम के बाद सायण कुणाल ने आचार्य किशोर कुणाल के व्यक्तित्व एवं कृतित्व को स्मरण करते हुए कहा कि उन्होंने प्रशासनिक सेवा में रहते हुए तथा सेवा निवृत्ति के बाद भी धर्म, संस्कृति और मानव सेवा के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान दिया। उनका जीवन समाज के लिए प्रेरणा का स्रोत है और उनकी विरासत सदैव जनसेवा के मार्ग को आलोकित करती रहेगी।

सरकार ने बेईमान तत्वों द्वारा डीजल की कालाबाजारी और जमाखोरी पर अंकुश लगाने के लिए नियंत्रण आदेश अधिसूचित किया है

(जीएनएस)।

पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय ने बेईमान तत्वों द्वारा डीजल की कालाबाजारी और जमाखोरी पर अंकुश लगाने के लिए "मोटर स्पिरिट और हाई-स्पीड डीजल (खुदरा दुकानों के माध्यम से आपूर्ति का अस्थायी विनियमन) आदेश, 2026" को अधिसूचित किया है।

ये नियम अस्थायी उपाय हैं, जो शुरू में 90 दिनों तक वैध रहेंगे, और सभी खुदरा उपभोक्ताओं को डीजल की उपलब्धता सुनिश्चित करेंगे।

वर्तमान स्थिति में कुछ खुदरा दुकानों में मांग में असमान और अप्रत्याशित वृद्धि देखी जा रही है, क्योंकि थोक श्रेणी के उपभोक्ता अपनी खरीददारी सार्वजनिक क्षेत्र की तेल विपणन कंपनियों के रिटेल आउटलेट्स की ओर स्थानांतरित कर रहे है। यह वृद्धि औद्योगिक, प्रत्यक्ष, संस्थागत और वाणिज्यिक उपभोक्ताओं द्वारा अपने निजी पंपों से खुदरा दुकानों पर डीजल खरीदने के कारण हो रही है, क्योंकि थोक और खुदरा डीजल की कीमतों में अंतर है। दूसरा कारण यह है कि निजी तेल विपणन कंपनियों द्वारा निर्धारित उच्च कीमतों के कारण मई 2026 में एचएसडी (हाई स्पीड डीजल) की बिक्री में लगभग 58 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई।

मई 2026 के महीने के आंकड़े, पिछले वर्ष की इसी अवधि की तुलना में, सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों (ओएमसी) के खुदरा आउटलेट्स के माध्यम से डीजल की बिक्री में उल्लेखनीय वृद्धि दर्शाते हैं, जिसमें 327 जिलों में 10 प्रतिशत से अधिक की वृद्धि दर्ज की गई, जबकि 80 जिलों में 30 प्रतिशत से अधिक की वृद्धि देखी गई।

नए नियामक उपाय विशेष रूप से खुदरा उपभोक्ताओं को खुदरा बिक्री केन्द्रों पर आपूर्ति में होने वाली अनियमितताओं से होने वाली असुविधा से बचाने के लिए बनाए गए हैं। इन उपायों का नागरिकों पर किसी भी तरह से कोई प्रभाव नहीं पड़ेगा, क्योंकि कार या दोपहिया वाहन चलाने वाले औसत व्यक्ति के लिए 200 लीटर की सीमा किसी भी निजी वाहन की आवश्यकता से कहीं अधिक है।

इन उपायों का उद्देश्य उन बड़े उपभोक्ताओं को रोकना है जो खुदरा बिक्री केन्द्रों से डीजल खरीदकर थोक और खुदरा कीमतों के अंतर का अनुचित लाभ उठा रहे है। सरकार के संज्ञान में डीजल की बड़ी मात्रा में जेरी कैन में खरीद और उसकी पुनर्विक्रय के कई मामले आए हैं। इस आदेश से डीजल की कालाबाजारी और जमाखोरी में शामिल ऐसे खरीदारों/संचालकों, डीलरों और अधिकारियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जा सकेगी।

खुदरा बिक्री केन्द्रों से थोक उपभोक्ताओं को ईंधन की आपूर्ति किए जाने पर रोक लगाने का मतलब है कि खुदरा ग्राहकों के लिए सिस्टम में ईंधन की अधिक आपूर्ति बनी रहती है।

लखनऊ में छात्र-छात्राओं ने नहीं दिया सीजेपी के अभिजीत दिपके को बोलने का मौका, नाराज होकर पकड़ी वापसी की फ्लाइट

(जीएनएस)।

लखनऊ। सोशल मीडिया पर कॉकरोच जनता पार्टी का गठन कर चर्चा में आए अभिजीत दिपके को लखनऊ में वह नहीं मिला जिसकी अपेक्षा कर दोपहर दो बजे की फ्लाइट से उतरे थे।

लखनऊ के ईको गार्डन में विद्यार्थियों के साथ बड़ी संख्या में शिक्षक लगातार पेपर लीक होने और सीबीएसई की परीक्षा में आंसर शीट सार्वजनिक होने के विरोध में प्रदर्शन कर रहे थे। इसी में शामिल होने के लिए अभिजीत दिपके भी दोपहर की फ्लाइट से एसएफआई और आइसा के छात्र नेताओं के साथ पहुंचे, लेकिन प्रदर्शनकारियों ने उनको भाव नहीं दिया। इतना ही नहीं उनको दस मिनट बोलने का मौका भी नहीं दिया। इससे आहत अभिजीत दिपके दोपहर में तीन बजे की फ्लाइट लेकर लखनऊ के वापस लौट गये।

शिक्षक भर्ती सहित विभिन्न परीक्षाओं के अभ्यर्थियों का गुस्सा शुक्रवार को ईको गार्डन में फूट पड़ा। प्रदेश के कई जिलों से जुटे अभ्यर्थियों ने अपनी मांगों को लेकर आवाज उठाई और भर्तियों के निरस्त होने का विरोध किया। इस बीच प्रदर्शनकारियों को समर्थन देने पहुंचे कॉकरोच जनता पार्टी के प्रमुख अभिजीत दीपके और अभ्यर्थियों में खींचतान हो गई। दीपके उन्हें संबोधित करना चाह रहे थे, लेकिन अभ्यर्थी सुनने को तैयार नहीं थे। उनका कहना था कि हमारे आंदोलन की रूपरेखा 15 दिनों पहले बनी थी, जबकि दीपके को इसके बारे में पता तक नहीं था। वह अपनी रोटी सेंकने आए थे और केंद्रीय शिक्षा मंत्री का इस्तीफा मांगते रहे।

ईको गार्डन में सुबह 10 बजे से शुरू हुए प्रदर्शन में पांच हजार से अधिक अभ्यर्थी शामिल हुए। दोपहर डेढ़ बजे अभिजीत दीपके संविधान की पुस्तक लेकर पहुंचे। वह यहां करीब 40 मिनट तक रहे। रैपिड

एक्शन फोर्स, पीएसी और पुलिस की मुस्तैदी के बीच अभ्यर्थियों का प्रदर्शन चलता रहा। विरोध और नारेबाजी के बीच दीपके ने लोगों को संबोधित करना शुरू किया। टीचर्स और स्टूडेंट्स के एक ग्रुप ने 31 मई 2026 को शिक्षा और प्रतियोगी परीक्षाओं में अनियमितता के खिलाफ प्रदर्शन की योजना बनाई थी। इसके बाद 12 जून 2026 को लखनऊ के इको गार्डन में प्रोटेस्ट करने का ऐलान किया। कॉकरोच जनता पार्टी के संस्थापक को भी इसकी भनक लगी और उन्होंने 12 जून को प्रोटेस्ट में शामिल होने की योजना बनाई।

इसी योजना के तहत अभिजीत दिपके दोपहर दो बजे एसएफआई और आइसा के के कुछ छात्र नेता और नेत्रियों के साथ इको गार्डन पहुंचे।

उन्होंने वहां पर चल रहे टीचर-स्टूडेंट प्रदर्शन में शामिल होने का प्रयास किया। इसी दौरान प्रदर्शन करने वालों ने उनसे कहा कि यह विरोध किसी सरकार के खिलाफ नहीं, बल्कि सरकारी और प्रतियोगी परीक्षाओं की शुचिता को लेकर है। वह लोग नहीं चाहते हैं कि कॉकरोच जनता पार्टी इसे हाईजैक करे।

इसके बाद भी अभिजीत दिपके ने दस मिनट कुछ बोलने के लिए माइक मांगा और कहा कि वह मुंबई से लखनऊ आए हैं, लेकिन प्रदर्शनकारियों ने उनको भाव नहीं दिया और उनका आग्रह ठुकरा दिया। इसके बाद अभिजीत दिपके नाराज होकर अपनी कार के काफिले की ओर चले गए। वहां से लखनऊ एयरपोर्ट पहुंचे और दोपहर तीन बजे तक दिल्ली निकल गए। इसके बाद प्रदर्शनकारियों ने सोशल मीडिया पर पोस्ट किया, ये महाराज योगी का UP है @abhijeet_dipke.

बिना माइक और मंच के दीपके चिल्लाते रहे

बिना माइक और मंच के दीपके चिल्लाते हुए बोले, 'देश में आंदोलन नहीं हुआ होता तो आज आजादी भी नहीं मिली होती। इमरजेंसी के विरोध में आंदोलन न होता तो लोकतंत्र भी न होता। आंदोलन सबसे बड़ी देशभक्ति है। चाहे लेखपाल हो, यूपीएसआई हो, नीट हो या सीबीएसई, सभी परीक्षाओं के पेपर लीक करने वाले दोषियों को त्यागपत्र देना होगा।' इस बीच अभ्यर्थी 'पेपर लीक बंद करो' और 'यूपीएसआई स्कोर कार्ड जारी करो' जैसे नारेबाजी करने लगे। नितिन, आनंद, अविरल तनेजा सहित कई अभ्यर्थियों ने कॉकरोच जनता पार्टी और अभिजीत दीपके का विरोध किया। उन्होंने कहा कि हमारे इस आंदोलन का कॉकरोच जनता पार्टी से कोई मतलब नहीं है। दीपके राजनीति कर रहे हैं। विरोध के स्वर उठते देख दीपके ने यहां से जाने का निर्णय किया। वह अभ्यर्थियों को 20 जून को दिल्ली आने का आ'ान करते हुए निकल गए।

लखनऊ इको गार्डन में होने वाले प्रदर्शन को लेकर विद्यार्थियों को लखनऊ पुलिस से अनुमति मिली थी। पेपर लीक और परीक्षा अनियमितताओं के विरोध में होने वाले इस प्रदर्शन में बड़ी संख्या में छात्र और युवा शामिल थे। लखनऊ पुलिस ने पहले धरना-प्रदर्शन की अनुमति नहीं दी थी। पुलिस का कहना था कि आयोजनकर्ता से मोबाईल पर संपर्क नहीं हो पाया था। कोई आयोजक थाने भी नहीं आया। धरना-प्रदर्शन के संबंध में जरूरी जानकारी भी नहीं दी गई।

निष्कासित छात्रों के समर्थन में आए नेता प्रतिपक्ष और पूर्व मंत्री

(जीएनएस)।

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय में फीस वृद्धि के खिलाफ प्रदर्शन कर रहे निष्कासित छात्रों प्रेम प्रकाश, प्रिंस प्रकाश और हर्षित शुक्ला के धरने को 11वें दिन कई नेताओं का समर्थन मिला। नेता प्रतिपक्ष माता प्रसाद पांडेय, पूर्व कैबिनेट मंत्री अरविंद सिंह गोप, समाजवादी चिंतक व शिक्षाविद लक्ष्मण यादव और आइसा की राष्ट्रीय अध्यक्ष नेहा ने छात्रों से मुलाकात की।

माता प्रसाद पांडेय ने कहा कि निष्कासित छात्रों की शनिवार को परीक्षा थी लेकिन उन्हें परीक्षा से वंचित कर दिया गया जो कि दुर्भाग्यपूर्ण है। छात्रों ने उन्हें बताया कि धरना स्थल पर पानी और बिजली की आपूर्ति भी बंद कर दी गई है। अरविंद सिंह गोप ने कहा कि लोकतंत्र में अपनी बात रखना प्रत्येक छात्र का सांविधानिक अधिकार है। उन्होंने विवि प्रशासन से संवाद के माध्यम से समाधान निकालने की मांग की। छात्रों का निष्कासन तत्काल वापस लेने को भी कहा।

लक्ष्मण यादव ने कहा कि विश्वविद्यालय केवल डिग्री प्रदान करने के संस्थान नहीं होते, बल्कि लोकतांत्रिक चेतना और सामाजिक न्याय के केंद्र भी होते हैं। छात्रों की जायज मांगों को सुनने के बजाय उन्हें निष्कासित करना चिंताजनक है। उन्होंने फीस वृद्धि की समीक्षा और छात्रों के साथ न्यायपूर्ण व्यवहार की मांग की। आइसा की राष्ट्रीय अध्यक्ष नेहा ने कहा कि शिक्षा को महंगा बनाकर वंचित छात्रों को उच्च शिक्षा से दूर किया जा रहा है। आइसा ने निष्कासन वापस लेने और छात्रों को परीक्षा में शामिल करने की मांग की।

सीतापुर में 25 मिनट तक झमाझम बारिशःतेज हवाओं से भीषण गर्मी से राहत, तापमान में आई गिरावट, 27 डिग्री सेल्सियस दर्ज

(जीएनएस)। सीतापुर में शुक्रवार सुबह मौसम ने अचानक करवट ली और तेज हवाओं के साथ हुई झमाझम बारिश ने लोगों को भीषण गर्मी और उमस से बड़ी राहत दिलाई। सुबह करीब 7 बजे आसमान में घने बादल छा गए, जिसके बाद तेज हवाएं चलनी शुरू हुईं और देखते ही देखते मूसलाधार बारिश शुरू हो गई। करीब 25 मिनट तक हुई बारिश से शहर और ग्रामीण क्षेत्रों का मौसम पूरी तरह बदल गया।

पिछले कई दिनों से पड़ रही भीषण गर्मी और उमस से लोग परेशान थे। गुरुवार को जिले का अधिकतम तापमान करीब 40 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया था, जिससे दिनभर लोगों का घरों से निकलना मुश्किल हो गया था। वहीं शुक्रवार सुबह हुई बारिश के बाद तापमान में उल्लेखनीय गिरावट दर्ज की गई। सुबह का तापमान करीब 27 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया, जिससे लोगों ने राहत की सांस ली।

बारिश के दौरान चली तेज हवाओं ने वातावरण को ठंडा कर दिया। बारिश थमने के बाद भी ठंडी हवाएं चलती रहीं, जिससे सुबह का मौसम बेहद सुहावना बना रहा। शहर के पार्कों, सड़कों और बाजारों में लोगों ने बदले मौसम का आनंद लिया। सुबह की सैर पर निकले लोगों ने भी मौसम को राहत भरा बताया।

हालांकि बारिश के कारण कुछ स्थानों पर जलभराव की स्थिति भी देखने को मिली, लेकिन अधिकांश लोगों ने इसे गर्मी से राहत के रूप में देखा। मौसम विभाग के अनुसार जिले में बादलों की आवाजाही बनी हुई है और आगामी घंटों में मौसम इसी तरह बना रह सकता है। घने बादलों की घेराबंदी के चलते फिलहाल तेज धूप निकलने की संभावना कम दिखाई दे रही है।

अचानक बदले मौसम और बारिश ने न केवल तापमान में गिरावट लाई, बल्कि लोगों को तपती गर्मी से भी बड़ी राहत पहुंचाई है। किसानों ने भी इस बारिश को फसलों के लिए लाभकारी बताया है।

पवन ऊर्जा विकास को बढ़ावा देने के लिए नवीन और नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय गोवा में वैश्विक पवन दिवस 2026 सम्मेलन आयोजित करेगा

(जीएनएस)।

नवीन और नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय 15 जून 2026 को गोवा में पवन ऊर्जाः महत्वाकांक्षा से गतिमान बनाए जाने तक विषय पर वैश्विक पवन दिवस 2026 सम्मेलन आयोजित करेगा।

कार्यक्रम में केंद्रीय नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा एवं उपभोक्ता मामले, खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण मंत्री श्री प्रल्हाद जोशी, नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा सचिव श्री संतोष कुमार सारंगी, मंत्रालय के वरिष्ठ प्रतिनिधि, केंद्रीय विद्युत प्राधिकरण, सोलर एनर्जी कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया, भारतीय नवीकरणीय ऊर्जा विकास एजेंसी, राष्ट्रीय पवन ऊर्जा संस्थान, ग्रिड इंडिया, प्रमुख राज्य सरकारों और भारतीय पवन टरबाइन निमार्ता संघ, विंड इंडिपेंडेंट पावर प्रोड्यूसर्स एसोसिएशन और इंडियन विंड पावर एसोसिएशन सहित उद्योग संगठनों के प्रतिनिधि भाग लेंगे।

भारत अभी विश्व का चौथा सबसे बड़ा पवन ऊर्जा बाजार है। वर्ष 2030 तक 100 गीगावाट और 2035 तक 155 गीगावाट के लक्ष्य के साथ, भारत के 2070 तक 500 गीगावाट गैर-जीवाश्म ऊर्जा क्षमता और शुद्ध शून्य उत्सर्जन के लक्ष्य के लिए पवन ऊर्जा महत्वपूर्ण है।

श्री जोशी ने इस सम्मेलन के बारे में कहा कि पवन ऊर्जा भारत की नवीकरणीय ऊर्जा रणनीति का मूल आधार है, और 2025-26 में इसमें रिकॉर्ड 6 दशमलव 1 गीगावाट की वृद्धि दशार्ती है कि सशक्त नीति और उद्योग सहयोग से इसमें और सफलता हासिल की जा सकती है। उन्होंने कहा कि पवन ऊर्जा उत्पादन के अगले चरण में तेजी लाने की आवश्यकता है। वैश्विक पवन दिवस 2026 पर अब हमारा ध्यान महत्वाकांक्षा से आगे बढ़कर क्रियान्वयन पर केंद्रित होना चाहिए क्योंकि भारत इस क्षेत्र में वैश्विक निर्यात अवसरों का लाभ उठाने के लिए भी स्वयं को तैयार कर रहा है।